राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 11 जनवारी-2023 वर्ष-5,अंक-345 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देहरादून में घने कोहरे के कारण दो सड़क दुर्घटनाओं में तीन की मौत

दुर्घटना में 56 वर्षीय बस चालक अशोक कुमार पुत्र हंसराज शर्मा, निवासी शिवपुरी डाकपत्थर, की मौके पर ही मृत्यु हो गयी, जबकि बस में सवार 02 अन्य व्यक्तियों के पैर में चोटें आयी। घायलों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देहरादून। उत्तराखण्ड के देहरादून जिले में पिछले चौबीस घंटे में घने कोहरे के कारण हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गये। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार शाम करीब 06.30 बजे विकासनगर की तरफ से देहरादून की तरफ जा रही एक बस कोहरे के कारण हरबर्ट पुर के पास सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकरा गयी। बस में करीब 19-20 यात्री सवार थे। दुर्घटना में 56 वर्षीय बस चालक अशोक कुमार पुत्र हंसराज शर्मा, निवासी शिवपुरी डाकपत्थर, की मौके पर ही मृत्यु हो गयी, जबकि बस में सवार 02 अन्य व्यक्तियों के पैर में चोटें आयी। घायलों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दूसरा हादसा सोमवार शाम को इसी मार्ग पर शाम करीब 06.00 बजे हुआ, जिसमें एक वाहन बालासुंदरी मंदिर के पास कोहरे के कारण पेड़ से टकरा गया। वाहन सवार सभी 04 लोगों को सुभारती हॉस्पिटल भेजा गया, जहां दो व्यक्तियों को मृत घोषित किया गया तथा अन्य दो को सामान्य चोटें आई हैं। इस दुर्घटना में अमर सिंह पुत्र दुलाराम निवासी बिरसनी, थाना सहसपुर, उम्र 55 वर्ष और हरेन्द्र पुत्र योगेन्द्र, निवासी कोटडा कल्यानपुर, उम्र 25 वर्ष की मौत हो गयी, जबकि सुजाता पुत्री राजकुमार, निवासिनी होरावाला, थाना सहसपुर, उम्र 22वर्ष और रविन्द्र सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी बिरसनी, थाना सहसपुर उम्र 31 वर्ष को सामान्य चोट लगी है।

जोशीमठ मामला:

सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार, अदालत ने कहा- हर मामले में यहां आना जरूरी नहीं

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने जोशीमठ मामले पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने इसपर सुनवाई के लिए अब 16 जनवरी की अगली तारीख दी है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर मामले में शीर्ष अदालत आने की जरूरत नहीं है। इस पर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित संस्थाएं काम कर रही हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है।

याचिकाकर्ता ने जोशीमठ संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी -बता दें कि याचिकाकर्ता स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शीर्ष अदालत में अपील करते हुए कहा था कि मामले में तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है और इस संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। जिस पर मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा

की पीठ ने मंगलवार यानी आज की तारीख दी थी लेकिन अब अदालत ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

याचिकाकर्ता ने दी थी ये दलील

याचिकाकर्ता का कहना था कि जोशीमठ में आज जो भी हो रहा है वह खनन, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं का निर्माण और उसके लिए किए जा रहे ब्लास्ट के चलते हो रहा है। यह बड़ी आपदा का संकेत है। कहा कि नगर में लंबे समय से भू-धंसाव हो रहा है। लोग इसको लेकर आवाज उठाते आ रहे हैं लेकिन सरकार की ओर से इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसका खामियाजा आज एक एतिहासिक, पौराणिक व सांस्कृतिक नगर और वहां रहने वाले लोग झेल रहे हैं।

जोशीमठ शहर में असुरक्षित भवनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही

जोशीमठ शहर में असुरक्षित भवनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक कुल 678 भवन चिह्नित किए जा चुके हैं। सीबीआरआई की टीम ने सोमवार को मलारी इन और माउंट व्यू होटल का सर्वे किया था। आज इन दोनों होटलों से भवनों को ढहाने की शुरुआत होगी। इन होटलों को अत्यधिक क्षति पहुंची है।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर सीएम ने हिंदी भाषा को अभिमान बताते हुए दी शुभकामनाएं

● **मध्यप्रदेश।** विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने हिंदी दिवस की शुभकामनाये देते हुए इंदौर के 'नमो ग्लोबल गार्डन' में प्रवासी भारतीयों तथा सम्मलेन में शिरकत लेने आये अतिथियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। हिंदी दिवस के अवसर पर सीएम के अलावा अन्य नेताओं ने भी शुभकामनाये दी हैं।

सीएम ने दी शुभकामनाये-10 जनवरी को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सीएम शिवराज ने अपने ट्वीट से हिंदी भाषा को अपना अभिमान और गौरव बताते हुए देशवाशियों को शुभकामनाहे दी हैं और प्रवासी सम्मलेन में आये मेहमानो के साथ मिलकर इंदौर के गर्दन में पौधरोपण भी किया हैं। हिंदी दिवस पर सीएम ने ट्वीट में कवी भारतेन्दु हरिश्चंद्र की पंक्तियों से हिंदी भसह की महत्त्व समझते हुए कहा- निज भाषा उन्नति अहै,सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा-ज्ञान के,मिटत न हिय को सूल।

मातृभाषा, राष्ट्र की शक्ति का सशक्त आधार है।
हिन्दी हमारा गौरव और अभिमान है। हिन्दी से विशेष अनुराग हो और अन्य भाषाओं से भी प्रेम हो।

जल्द सामने आएगी नई संसद के उद्घाटन की तारीख

नई दिल्ली: संसद की नई इमारत जनवरी के अंत तक तैयार हो जाएगी और आतंरिक साज-सज्जा के कार्य को बहुत तेजी से किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संसद का आगामी बजट सत्र नयी इमारत में आहूत किया जाए या पुरानी इमारत में ही, इसको लेकर फैसला अभी लिया जाना है। उल्लेखनीय है कि संसद की नई इमारत देश की सत्ता का केंद्र सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक के राजपथ के तीन किलोमीटर मार्ग का नवीनीकरण, प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति के लिए नए आवास और कार्यालय और केंद्रीय सचिवालय का निर्माण किया जाना है। निर्माण की जिम्मेदारी

केंद्रीय आवास और शहरी विकास मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को दी गई है। सरकारी सूत्र ने बताया, संसद की नई इमारत इस महीने के अंत तक तैयार हो जाएगी एवं आंतरिक साज-सज्जा के काम को बहुत तेजी से किया जा रहा है। संसद की नई इमारत का निर्माण कार्य दो साल पहले शुरू हुआ था। एक अन्य सूत्र ने सोमवार को बताया कि सरकार जल्द नई इमारत का उद्घाटन करने का फैसला लेगी। केंद्रीय आवासीय व शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले साल नवंबर मे कहा था कि यह सरकार पर है कि वह संसद की नई इमारत का उद्घाटन के लिए दिन तय करे।

'शादी का वादा करके सहमति से बनाए गए संबंध रेप नहीं' हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली: उड़ीसा हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया। दरअसल, एक दुष्कर्म केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि शादी का वादा करके सहमति से बनाए गए संबंध रेप नहीं हो सकता। व्यस्क महिला के साथ संबंध बनाना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई महिला सहमति के आधार पर यौन संबंध बनाती है तो आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म संबंधी आपराधिक कानून का इस्तेमाल नहीं हो सकता। जस्टिस संजीब पाणिग्रही की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह फैसला सुनाया। उनके मुताबिक, शादी के झूठे वादे को दुष्कर्म मानना गलत प्रतीत होता है। क्योंकि IPC की धारा 375 के तहत संहिताबद्ध दुष्कर्म की सामग्री इसे कवर नहीं करती।

● **उड़ीसा हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया। दरअसल, एक दुष्कर्म केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि शादी का वादा करके सहमति से बनाए गए संबंध रेप नहीं हो सकता। व्यस्क महिला के साथ संबंध बनाना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता है।...**

जस्टिस पाणिग्रही के अनुसार, पुलिस रिकॉर्ड से पता चलता है कि पुरुष और महिला एक-दूसरे को जानते थे और मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि कोई जबरन यौन संबंध नहीं बनाया गया था। कोर्ट ने निचली अदालत के आरोपी को सशर्त जमानत देने का भी आदेश दिया। शर्त के तहत अभियुक्त जांच प्रक्रिया में सहयोग करेगा और पीड़िता को धमकी नहीं देगा।

दरअसल, एक शख्स ने शादी का झांसा देकर पहले युवती से शारीरिक संबंध बनाए और फिर आरोपी कुछ दिन बाद फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय हिरासत में भेज दिया गया, इसके बाद निचली अदालत की ओर से उसकी जमानत याचिका खारिज किए जाने पर आरोपी ने हाईकोर्ट का रुख किया जहां कोर्ट ने कहा कि धारा 375 के तहत सहमति से बनाए संबंध बलात्कार नहीं होता।

मॉस्को-गोवा फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, सभी 244 लोग सुरक्षित

जामनगर (गुजरात)। जामनगर एयरफोर्स बेस पर सोमवार रात करीब 9:36 बजे मॉस्को -गोवा फ्लाइट में बम होने की आशंका पर उसकी आपात लैंडिंग कराई गई। रातभर तलाशी अभियान चला। विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। विमान के 236 यात्री और आठ क्रू सदस्यों समेत सभी 244 लोग सुरक्षित हैं। जामनगर के कलेक्टर सौरभ पारघी ने मंगलवार सुबह बताया कि बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल के तहत सुरक्षा एजेंसियों ने नौ घंटे तक एयरपोर्ट की घेराबंदी कर विमान और यात्रियों की सघन जांच की। अब यात्रियों के सामान की जांचकर सभी विवरणों का सत्यापन किया जा रहा है। अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। कलेक्टर

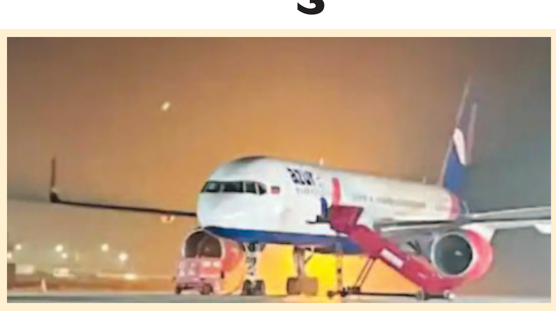

● **जामनगर के कलेक्टर सौरभ पारघी ने मंगलवार सुबह बताया कि बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल के तहत सुरक्षा एजेंसियों ने नौ घंटे तक एयरपोर्ट की घेराबंदी कर विमान और यात्रियों की सघन जांच की। अब यात्रियों के सामान की जांचकर सभी विवरणों का सत्यापन किया जा रहा है।**

पारघी के मुताबिक रात करीब पौने 9 बजे विमान के क्रू सदस्यों ने जामनगर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को बम होने की आशंका जताई। इसके बाद विमान की आपात लैंडिंग कराई गई।

पीएम मोदी 19 को हैदराबाद में करेंगे रेल परियोजनाओं की शुरुआत

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को तेलंगाना में रेलवे से जुड़ीं 2,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। साथ ही वह हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच एक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की आधारशिला रखेंगे। इसमें करीब 700 करोड़ का खर्च आएगा। इसके अलावा वह काजीपेट में 'पीरियॉडिकल ओवरहॉलिंग' (पीओएच) कार्यशाला के निर्माण कार्य की भी शुरुआत करेंगे।

पीएम 12 जनवरी को करेंगे राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई

ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को राज्य के हुबली में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। बोम्मई ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को हुबली रेलवे ग्राउंड पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के युवा सात दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को कल संबोधित करेंगे उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को जयपुर में हो रहे 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में संसद और विधान मंडलों को और प्रभावी, जवाबदेह बनाने, इनकी उत्पादकता बढ़ाने के साथ इन्हें डिजिटल संसद से जोड़ने पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि यह सम्मेलन भारत की विधायी निकायों की सर्वोच्च संस्था है, जिसका पहला सम्मेलन साल 1921 में शिमला में हुआ था।

अब बारिश बढ़ाएगी गलन

शीतलहर और कोहरे के बाद मौसम की पड़ेगी नई मार

नई दिल्ली। ठंड और घने कोहरे से जूझते देश के कुछ हिस्सों को आने वाले कुछ दिनों में राहत के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने संभावनाएं जताई हैं कि मंगलवार रात को पहुंच रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 2-3 दिनों में न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही आने वाले कुछ दिनों में पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्य बारिश का सामना कर सकते हैं। ऐसे में गलन बढ़ने के चलते पहले ही कोहरे का सामना कर रहे राज्यों को मौसम की नई मार का सामना करना पड़ सकता है। IMD ने बताया है कि विदर्भ, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और बिहार में शीतलहर की स्थिति बन सकती है। हालांकि, बुधवार से इन क्षेत्रों में राहत के आसार हैं। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में खास बदलाव की संभावनाए नहीं हैं। इसके बाद यह 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है।

बारिश के आसार

मौसम विभाग ने बताया है कि 11 से 13 जनवरी के बीच पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के सटे इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। जम्मू और कश्मीर में 11-12 जनवरी और हिमाचल प्रदेश मं

12 जनवरी को भारी बारिश या बर्फबारी की संभावनाएं हैं। 10-14 जनवरी के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बारिश हो सकती है। 12-14 जनवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश, 13 जनवरी को असम और मेघालय, 11-12 जनवरी के पश्चिम उत्तर प्रदेश, 10-13 जनवरी के बीच उत्तराखंड, 11-13 जनवरी के बीच हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, 11-13 के बीच पंजाब, 10-14 के बीच हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है।

अगले 4 दिन कैसा रहेगा मौसम

11 जनवरी- बिहार, उत्तर प्रदेश, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और त्रिपुरा के किछ हिस्सों में घना कोहरा छा सकता है। बिहार में शीतलहर के आसार हैं।

12 जनवरी- उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में घने कोहरे की संभावनाएं हैं। इस दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

13 और 14 जनवरी- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार में घना कोहरा छा सकता है।

शीत लहर में मंगलवार के बाद आ सकती है कमी, घना कोहरा अभी और सताएगा

एजेंसी के अनुसार, आईएमडी के ताजा अपडेट के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 24 घंटे के बाद शीत लहर की स्थिति में कमी आने की संभावना है। उसने कहा, %अगले 24 घंटों के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहेगा और उसके बाद इसकी तीव्रता में कमी आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जोशीमठ का संकट

आदि शंकराचार्य की विरासत संजोये, मंदिरों के शहर जोशीमठ के तमाम घरों,सड़कों और खेतों में दरारें आने से नागरिकों में भय व्याप्त है। लेकिन यदि सत्ताधीशों ने वैज्ञानिकों, भू-वैज्ञानिकों तथा पर्यावरणविदों की नसीहत को सुना होता तो एक पौराणिक शहर का अस्तित्व यूं खतरे में न पड़ता। उल्लेखनीय है कि आज 21वीं सदी में जोशीमठ में जो संकट पैदा हुआ है उसकी आशंका वर्ष 1976 में एक शीर्ष नौकरशाह ने उजागर कर दी थी। उनकी अध्यक्षता में बने एक पैनल ने क्षेत्र में भारी निर्माण पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। दरअसल, मिश्रा आयोग ने चेताया था कि जोशीमठ एक भूस्खलन के स्थल पर बसा है और बड़े निर्माणों का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। आयोग ने बड़ी संख्या में भवन निर्माण से परहेज रखने की सलाह दी। लेकिन उनकी सिफारिश को उत्तराखंड के सत्ताधीशों व प्रशासन ने अनदेखा किया। बीते दशकों में जोशीमठ में अंधाधुंध निर्माण कार्य हुए। रोप-वे के लिये भारी-भरकम पिलर बनाये गये। बताया जाता है कि ऊपर के पिलरों से दरार पड़ने का सिलसिला शुरू हुआ । सवाल उठता है कि पहाड़ की कमजोर बुनियाद के बारे में चेताने के बावजूद आखिर बड़े पैमाने पर अव्यवस्थित निर्माण की अनुमति क्यों दी गई। दरअसल, बड़ी पन-विद्युत परियोजनाओं के लिये सुरंग खोदने तथा ऑल वेदर राजमार्ग के विस्तार ने पहले से संवेदनशील ढलानों को अत्यधिक अस्थिर बना दिया। जिसका नतीजा आज बड़ी दरारों के रूप में सामने आ रहा है। निस्संदेह, उत्तराखंड में तीर्थयात्रा और ट्रैकिंग सर्किट के लिये जोशीमठ महत्वपूर्ण पड़ाव है। साथ ही चीन की संवेदनशील सीमा के चलते इसका सामरिक महत्व भी अधिक है। यहां चीन सीमा की वजह से सेना की बड़ी छावनी स्थित है। सुरक्षा कारणों के चलते सेना की आवाजाही को सुगम बनाने के लिये सड़कों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन भी जरूरी था। पर्यावरण विशेषज्ञ बताते हैं कि चमोली से लेकर जोशीमठ तक पूरा क्षेत्र आपदाएं झेल चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2013 और 2021 की बाढ़ का इस इलाके में प्रतिकूल असर पड़ा था। दो साल पहले सर्दी के मौसम में एक हिमाच्छादित झील के फटने से करीब 204 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जिसमें ज्यादातर जलविद्युत परियोजना में काम करने वाले प्रवासी श्रमिक व कर्मचारी थे। साथ ही संपत्ति का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। ऐसे वक्त में जब भूमि धंसने से जोशीमठ का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है, बचाव का तात्कालिक विकल्प नजर नहीं आता। प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने की चुनौती है। फिर उसके बाद उनके पुनर्वास की समस्या है। लोगों ने जीवन भर की पूंजी जोड़कर घर बनाये हैं, घर छोड़ते वक्त उनकी आंखों में आंसू हैं। ऐसे में इस शहर को बचाने का यक्ष प्रश्न सामने है। दरअसल, बड़े निर्माण शुरू करने से पहले उस चट्टान का वैज्ञानिक आकलन जरूरी था जिस पर यह शहर टिका है। यह इलाका भूकंप की दृष्टि से भी संवेदनशील बताया जाता है। विडंबना यह है कि इसके अलावा शहर के वर्षा जल व घरेलू जल निकासी के निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था यहां नहीं रही है। पानी पहाड़ के भीतर जाता रहा है। लोग यहां निर्माणाधीन पनबिजली परियोजना का निर्माण स्थगित करने की मांग कर रहे हैं, जिसकी सुरंगों को खोदने के चलते संकट बढ़ने की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, जोशीमठ भूगर्भीय हलचलों के चलते भी धंसने के प्रति संवेदनशील है। जो उपचारात्मक उपायों की तत्काल जरूरत बताता है।

भरोसे का ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

आज जब मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का कुशल नेतृत्व इस प्रदेश को मिल रहा है तब तरक्की का आयाम सबके सामने है। सबकी आँखों में विकास का सपना स्पष्ट रूप से झलकता दिखाई देता है जो स्वतः ही प्रमाणित करता है कि मध्यप्रदेश ने लघु भारत के रूप में अपनी पृथक पहचान स्थापित कर ली है। यहाँ उद्योग शिक्षा तथा अन्य स्त्रोतों से अपना भाग्य अजमाने वाले लोगों का ध्यान स्वतः ही खिंचा चला आ रहा है। देश तथा बाहर से उद्योगपतियों का यहाँ अवलोकन करने के लिए अक्सर आना - जाना बना रहता है। इस तरह लघु और बड़े उद्योगों को नया जीवन मिलेगा ऐसा विश्वास पुनः बन जाता है।

(लेखक- निलय श्रीवास्तव)

चुनौतियों को संभावना में बदलने वाले राज्य का नाम मध्यप्रदेश है। मध्यप्रदेश तरक्की और अपेक्षाओं से भरा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर कर चौपट करने वाली महामारी कोरोना का बुरा दौर सभी ने देखा है। उस दौरान जब देश के दूसरे राज्यों में डर और आशंका का माहौल था तब मध्यप्रदेश ने आत्मविश्वास नहीं खोया और विकास की रफ्तार को थमने नहीं दिया। याद दिलाना होगा कि कोरोना नियंत्रण से लेकर वैक्सीनेशन तक के सभी मामलों में मध्यप्रदेश ने देश के दूसरे राज्यों को पीछे छोड़कर कीर्तिमान स्थापित किया था। यह एक उदाहरण मात्र है। आज जब मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का कुशल नेतृत्व इस प्रदेश को मिल रहा है तब तरक्की का आयाम सबके सामने है। सबकी आँखों में विकास का सपना स्पष्ट रूप से झलकता दिखायी देता है जो स्वतः ही प्रमाणित करता है कि मध्यप्रदेश ने लघु भारत के रूप में अपनी पृथक पहचान स्थापित कर ली है। यहाँ उद्योग शिक्षा तथा अन्य स्त्रोतों से अपना भाग्य अजमाने वाले लोगों का ध्यान स्वतः ही खिंचा चला आ रहा है। देश तथा बाहर से उद्योगपतियों का यहाँ अवलोकन करने के लिए अक्सर आना - जाना बना रहता है। इस तरह लघु और बड़े उद्योगों को नया जीवन मिलेगा ऐसा विश्वास पुनः बन जाता है। मध्यप्रदेश के बड़े मंझोले तथा लघु उद्योगों को पुनः बड़े स्वरूप में संचालित कर युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर देने की पहल मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और उनकी सरकार ने की है।

इंदौर में आयोजित होने वाला ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट मात्र समिट नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के भरोसे का समिट कहा जा सकता है। मध्यप्रदेश देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ समय -समय पर निवेशकों को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रम चलायें जाते हैं। उद्योगों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर सुलभ कराने की पहल अक्सर होती है। इसी श्रृंख्ला में इसी साल वर्ष 2023 के आरम्भ में 11 और 12 जनवरी को व्यापारिक नगरी इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य निवेश को बढ़ाने के साथ ही उद्योग निर्यात तथा अन्य व्यापारिक गतिविधियों को नवीन ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाना है। मध्यप्रदेश में या कहें कि देश में पहली बार पहला अवसर होगा जब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 65 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल और 20 देशों के राजदूत उच्चायुक्त और राजनयिक भाग लेंगें। वह अद्भुत क्षण होगा जब 14 अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक संगठन अपने देशों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करेंगें। प्रमुख रूप से यू. एस. ए. कनाडा इंग्लैंड जापान इजराइल नीदरलैंड सिंगापुर थाईलैंड कंबोडिया बांग्लादेश और अफ्रीकी देशों के खरीददार अपनी सहभागिता देंगें। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भारत के पाँच सौ से ज्यादा उद्योगपति अपने -अपने क्षेत्रों की विशेषताओं के बारे में बतायेंगें। कुमार मंगलम बिड़ला टाटा नादिर गोदरेज पुनित डालमिया और अजय पीरामल व्यापार उद्योग और निवेश-निर्यात पर अपना पक्ष रखेंगें। समिट में फार्मा आई टी आटोमोबाइल कपड़ा वस्त्र रसायन सीमेंट खाद्य् प्रसंस्करण पेट्रोकेमिकल पर्यटन नवकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपति एक साथ विचार विमर्श कर बतायेंगें कि इन क्षेत्रों में विकास के साथ रोजगार की संभावनाओं को कैसे तलाशा जाये। आयोजन का उद्देश्य देश और विदेश से आने वाले निवेशकों को मध्यप्रदेश में चल रही औद्योगिक परिस्थितियों से अवगत करवा यहाँ अपनी - अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराना है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एक नये मध्यप्रदेश के निर्माण में सहायक साबित होगा। समिट में मध्यप्रदेश के औद्योगिक बुनियादी ढाँचे के मौजूदा और आगामी औद्योगिक पार्कों सहित प्रमुख निवेश परियोजनाओं को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी देखकर लोग उत्साहित होंगें। प्रदर्शनी में फार्मा आई टी आटोमोबाइल्स टेक्सटाइल्स गारमेन्टस केमिकल्स सीमेंट फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योग अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगें।

देश का हृदयस्थल मध्यप्रदेश अपनी विशिष्ट पहचानों के लिए जाना जाता है। यहाँ रोजगार तथा व्यापार सम्बंधी अनेक संसाधन मौजूद हैं। पूर्ववती सरकारों ने कभी इस ओर ध्यान आकर्षित नहीं किया। इसका परिणाम यह निकला कि संभावनायें अंधेरे में चली गयीं। पिछले डेढ़ दशक के लम्बे अंतराल में बतौर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने यह तलाशना आरम्भ किया कि मध्यप्रदेश में बंद पड़े उद्योगों को दौबारा कैसे चालू किया जाये। उन्होनें निवेशकों की सहभागिता पर भी चिंतन आरम्भ किया। समय - समय पर निवेशकों के लिए सम्मेलन आयोजित कर उन्हें मध्यप्रदेश की औधोगिक अधोसंरचना से अवगत कराया जाता रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री अनेकों बार देश के कई राज्यों का भ्रमण कर मध्यप्रदेश की औधोगिक क्षमता की प्रशंसा कर निवेशकों को मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित करते रहे हैं। प्रदेश की बेटियों को उद्योग तथा रोजगार से जोड़कर उनके स्वावलम्बन की चिंता करने वाले मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान प्रदेश के औद्योगिक तथा व्यापारिक ढाँचा को मजबूत करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहते। उनके शब्दों में ''ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से हमें बड़ी उम्मीदें हैं। मध्यप्रदेश में जो उत्पाद बने हैं वे दुनिया में जायेंगें। पूरी दुनिया में मध्यप्रदेश की ब्राडिंग होगी। हमारी रुचि टेक्सटाईल और रेडिमेट गारमेंट में सबसे ज्यादा है क्योंकि उसमें सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। खास बात यह है कि इससे मिलने वाले रोजगार बेटियों को मिलते हैं।'' ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे आयोजन समय- समय पर होते रहना आवश्यक है। इससे मध्यप्रदेश तो लाभांवित होगा साथ ही अन्य राज्यों को भी इसके फायदे ज्ञात होंगें। आर्थिक गतिविधियों के विशेषज्ञों की माने तो प्रदेश का आर्थ्रिक तथा व्यापारिक ढाँचा मजबूत होने का असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर सीधे पड़ेगा। युवाओं को रोजगार का रास्ता भी यहीं से निकलता है। मध्यप्रदेश के पास युवा शक्ति का भंडार है यदि उसकी कार्यक्षमता का उपयोग इस दिशा में किया जाये तो समृद्धि तो आयेगी ही इसके अलावा लाखों हाथों में रोजगार भी होगा।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

आज का राशिफल

पहाड़ों में दरार प्राकृतिक प्रकोप या हमारी भूल...?

(उत्तराखंड हादसा/ लेखक-ओम प्रकाश मेहता)

हमारे देश की देवभूमि उत्तराखंड इन दिनों संकट के दौर से गुजर रही है करोड़ों भारतीयों की धार्मिक भावना का यह केंद्र इन दिनों प्राकृतिक प्रकोप का केंद्र बिंदु बना हुआ है इसके कई क्षेत्रों में अचानक आई दरारों ने खलबली मचा दी है जो जोशीमठ से शुरू हुआ यह प्रकोप अब कर्ण प्रयाग रुद्रप्रयाग तक फैल गया है जोशीमठ के करीब 650 घरों में दरारें नजर आई है यहां के मुख्य मार्ग भी इन दरारों से अछूते नहीं है इसे श्रद्धालु ईश्वरीय प्राकृतिक प्रकोप मानते हैं नई केंद्र व राज्य सरकार विशेषज्ञ से जांच कराने में जुट गई है इधर कुछ लोग इस प्रकोप का कारण केंद्र सरकार की चार धाम को जोड़ने वाली प्रस्तावित रेल लाइन को मान रहे हैं इस रेल परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए पहाड़ों में जहां लंबी सुरंग खोदी जा रही है वही पहाड़ों में बारूदी विस्फोट भी किए जा रहे हैं पूरे क्षेत्र में प्रतिदिन नई दरारें देखी जा रही है इससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है और लोग अपने पुश्तैनी घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की खोज में भटक रहे हैं स्वयं राज्य सरकार भी अब तक करीब 1000 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। अब इन हादसों के कारण चाहे प्राकृतिक हो या मानव जनित किंतु इस क्षेत्र में जो विगत कई वर्षों से धार्मिकता को लेकर जो किस्से कहानियां प्रचलित हैं लोग उनका श्री गणेश इन हादसों को बता रहे हैं में स्वयं अपनी कई बार की चार धाम यात्रा में स्थानीय नागरिकों से यह किस्से कहानियां सुन चुका हूं कहा जाता है कि जैसे जैसे कलयुग का प्रादुर्भाव बढ़ेगा वैसे-वैसे यह चार धाम क्षेत्र विलुप्त की ओर बढ़ता जाएगा और घोर कलयुग के समय क्षेत्र को तीर्थ धाम से जोड़ने वाले नर नारायण पर्वत आपस में जुड़ जाएंगे तथा उसके बाद बद्रीनाथ केदारनाथ धाम सहित अन्य प्रसिद्ध तीर्थओ के मार्ग बंद हो जाएंगे इन्हीं किस्सौ मैं जोशीमठ के उस हनुमान मंदिर का भी प्रमुख रूप से जिक्र है जिसमें देश में एकमात्र यह मंदिर है जहां हनुमान जी लेटे हुए हैं तथा उनकी एक हाथ की कलाई धीरे-धीरे पतली होती जा रही है

यहां के लोगों का कहना है कि जिस दिन यह कलाई हाथ से अलग हो जाएगी उस दिन घोर कलयुग का प्रवेश शुरू हो जाएगा इस तरह के अनेक किस्से कहानियां इस क्षेत्र में प्रचलित है जहां तक जोशीमठ का सवाल यह इस क्षेत्र का प्रवेश द्वार है जहां से धार्मिक यात्रा की शुरुआत होती है अब क्योंकि इस प्रवेश द्वार से ही हादसों की शुरुआत हुई है इसलिए इसस को प्रचलित कथाऔ से जोड़कर देखा जा रहा है यद्यपि सरकार और वैज्ञानिक इन किस्सों कहानियों को कपोल कल्पित मानते हैं किंतु इस क्षेत्र की धर्म प्राण जनता इन हादसों से डरी सहमी अवश्य है आज से कुछ सालों पहले केदारनाथ में घटी प्राकृतिक घटना को भी इसी प्रकोप से जोड़कर देखा गया था जिस में अचानक आई बाढ़ में कई श्रद्धालु बह गए थे जिनके शव कई दिनों तक बड़ी दूर तक मिलते रहे।।

यद्यपि इस ताजे प्रकोप के घटनाक्रमों को लेकर फिलहाल केंद्र सरकार राज्य सरकार तथा वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने अपना कोई कारण या फैसले की घोषणा नहीं की है इन हादसों की कई पहलुओं से जांच की जा रही है किंतु इन हादसों का प्रकोप थमा नहीं है इस कारण इस क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों में दहशत व भय का माहौल है तथा नागरिकों में अफरा-तफरी मच गई है लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की खोज में अपने घरों से निकल पड़े हैं। अब ऐसे माहौल में सरकार व जिला प्रशासन का दायित्व है कि वह इस देहशत के माहौल को कम करने का प्रयास करें किंतु सरकार स्वयं हादसों के क्षेत्रों से लोगों को हटाकर अन्य क्षेत्रों में दहशत का माहौल पैदा कर रही है इस कारण पूरा उत्तराखंड का ग्रामीण क्षेत्र देहशतजदा है और हर कहीं अफरा-तफरी मची हुई है। ऐसे माहौल में पुश्तैनी रुप से चले आ रहे किस्से कहानियों का बाजार गर्म हो गया है जो वातावरण को और अधिक भय ग्रस्त बना रहा है ऐसे में सरकार को अपने दायित्व का निर्वहन ठीक से करना चाहिए।

विचार मंथन

भारत में नहीं प्रवासी भारतीयों की अहमियत

(लेखक- सनत जैन / ईएमएस)

भारतीय नागरिक दुनिया के कई देशों में अपनी बुलंदियों का झंडा गाड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र इंटरनेशनल माइग्रेशन की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर के देशों में लगभग 1.80 करोड़ प्रवासी भारतीय काम कर रहे हैं। इनमें से 70 फ़ीसदी अकेले अमेरिका ब्रिटेन संयुक्त अरब अमीरात सऊदी अरब मलेशिया ऑस्ट्रेलिया कनाडा और श्रीलंका जैसे देशों में है। ब्रिटेन में हिंदुओं के सभी पर्व मनाए जाते हैं। कनाडा ऑस्ट्रेलिया के 70 प्रमुख मंदिरों और गुरुद्वारों में मत्था टेकने के लिए वहां के राजनेता पहुंचते। भारतीयों की ताकत पिछले कई दशकों में विदेशों में लगातार बढ़ती चली गई जिसके परिणाम स्वरूप वहां के सत्ताधीश और राजनेता भी अब मंदिर और गुरुद्वारे में जाकर मत्था टेकते हैं। प्रवासी भारतीयों ने वर्ष 2021 में लगभग 6.5 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे। जो अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है।

दुनिया भर के देशों में भारत छोड़कर गए भारतीय नागरिकों ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लेकिन अपने ही देश भारत में उन्हें जोड़े रखने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। यह प्रवासी भारतीयों की पीड़ा है। प्रतिवर्ष लाखों छात्र विदेशों में पढ़ने के लिए जाते हैं। यहां से उच्च शिक्षा लेकर विदेशों में जाकर काम करते हैं। विदेशों की आर्थिक व्यवस्था और वहां के कामकाज में बड़ी अहम भूमिका का निर्वाह करते हैं। विदेशों में उन्हें निर्वाचित एवं सरकारी पदों पर नियुक्तियां मिल जाती है। भारत में उन्हें इस तरीके का कोई मौका नहीं मिलता है। जिसके कारण बड़ी संख्या में पढ़े लिखे और बिना पढ़े लिखे मजदूर विदेशों में जाकर अपनी भूमिका के अनुसार अपनी जगह बनाते हैं। धीरे-धीरे उनका नाता भारत से खत्म हो जाता है। प्रवासी भारतीयों का दर्द है कि भारत सरकार उनके लिए कुछ नहीं सोचती है। दोहरी नागरिकता यदि वह भारत में अपनी संपत्ति रखे तो उसमें टैक्स एवं अन्य सुविधाएं जैसी कोई बात नहीं है। जो प्रवासी भारतीय विदेशों से धन कमा कर भेजते हैं। भारत में उनकी संपत्ति और उनके माता-पिता या परिवारजनों को को संरक्षण नहीं मिलता है। प्रवासी भारतीयों के लिए ऐसी कोई सुविधा विकसित नहीं की गई। जिसके कारण उन्हें भारत में निवेश करने अथवा भारत की आर्थिक सामाजिक राजनैतिक व्यवस्था से जोड़कर रख पाने का कोई अवसर नहीं है। कोई भी व्यक्ति जब अपना घर छोड़कर दूसरे देश की नागरिकता लेकर वहां पर रहने के लिए मजबूर होता है तो उसके पास अन्य कोई विकल्प नहीं होता है। अन्यथा कोई भी आदमी ऐसे ही अपना घर नहीं छोड़ता है। जो प्रवासी भारतीय विदेशों में जाकर अपना लोहा मनवा लेते हैं।

वह अपने ही देश में कुछ कर पाने की स्थिति में क्यों नहीं होते हैं। इसका एकमात्र कारण है यहां की सरकारों द्वारा जो नियम कायदे कानून बनाए जाते हैं। उनमें जो भ्रष्टाचार होता है सभी लोगों को समान रूप से अवसर नहीं मिलता है। जिसके कारण यह विदेशों में जाकर बसने के बारे में विवश होते हैं। पिछले कुछ वर्षों से प्रवासी भारतीय बड़े पैमाने पर भारत में निवेश कर रहे हैं। इससे अब सरकार की निगाह उनके ऊपर पड़ी है। राजनीतिक व्यवस्था भी अप्रवासी भारतीयों की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है। भारत सरकार को इस दिशा में विशेष कार्यक्रम बनाने की जरूरत है। प्रतिभाशाली लोगों को भारत के अंदर ही वह वातावरण प्राप्त हो जो विदेशों में उन्हें प्राप्त होती हैं। भारतीय विदेशों में ना जाकर उद्यमी बनकर भारत के विकास में योगदान देंगे तो भारत का जो विश्व गुरु बनने का सपना है। वह आसानी से पूरा हो सकता है।

सोने में तेजी चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतों में तेजी आई है वहीं चांदी में गिरावट है । जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को सोना 367 रुपये की तेजी के साथ 55874 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोना 0.02 फीसदी बढ़कर 55874 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। माना जा रहा है कि ताजा लिवाली से सोने की कीमतों में तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 0.09 फीसदीकी गिरावट के साथ 1876.20 डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं चांदी वायदा गिरावट के साथ 68501 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। चांदी का वायदा भाव 399 रुपये की गिरावट के साथ 68501 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। दिल्ली में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 56290 रुपये है। वहीं मुंबई और कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट सोना 51610 रुपए में है। चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोना 52370 रुपये में मिल रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी 0.58 फीसदी की गिरावट के साथ 68501 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जिसमें 19730 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 0.86 फीसदी गिरकर 23.67 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी।

एचडीएफसी और इंडिया ओवरसीज बैंक ने ब्याज दरें बढ़ाईं

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक और इंडिया ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने सीमांत लागत पर दिए जाने वाले कर्ज (एमसीएलआर) के तहत अपनी ब्याज दरें 0.25 फीसदी तक बढ़ा दी है। एचडीएफसी की नई दरें 7 जनवरी से लागू हो गई है और आईओबी की 10 जनवरी से प्रभाव में आएंगी। एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट के अनुसार एक दिन की एमसीएलआर दर 8.30 फीसदी से बढ़कर अब 8.50 फीसदी एक महीने की एमसीएलआर पहले की 8.30 फीसदी से बढ़ाकर 8.55 फीसदी कर दी गई। वहीं एक साल की एमसीएलआर में 0.25 फीसदी की वृद्धि करके इसे 8.85 फीसदी कर दिया गया है जो पहले 8.60 फीसदी थी। दो वर्ष की अवधि वाली एमसीएलआर 8.70 फीसदी से बढ़कर 8.95 फीसदी तीन वर्ष वाली एमसीएलआर 8.80 फीसदी से बढ़कर अब 9.05 फीसदी हो जाएगी। आईओबी ने भी विभिन्न अवधि की एमसीएलआर दर बढ़ाई है। बैंक ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसकी दरें पहले की 7.70 फीसदी से बढ़कर अब 8.45 फीसदी हो गईं है।

मैकडॉनल्ड के पूर्व सीईओ पर निवेशकों को भ्रामक जानकारी देने का आरोप

शिकागो । अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने फास्टफूड श्रंखला मैकडॉनल्ड के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) स्टीफन ईस्टरब्रुक पर नवंबर 2019 में नौकरी से निकाले जाने की परिस्थितियों के संबंध में निवेशकों को भ्रामक जानकारी देने का आरोप लगाया है। नियामक संस्था ने एक आदेश में कहा कि ईस्टरब्रुक की नीतियों के विपरीत कंपनी की एक कर्मचारी के साथ अनुचित संबंधों की वजह से हटाए गए थे। संस्था ने कहा कि मैकडॉनल्ड से अलग होने के अनुबंध में कहा गया कि उन्हें बिना कारण के निकाला गया था ताकि वह पर्याप्त मुआवजा रख सकें। मैकडॉनल्ड ने जांच में पाया था कि ईस्टरब्रुक जुलाई 2020 में कंपनी की एक अन्य कर्मी के साथ भी संबंध में रहे थे। एसईसी ने कहा कि ईस्टरब्रुक शायद यह जानते थे कि अगर वह अपनी बर्खास्तगी से पहले कंपनी नीति के अतिरिक्त उल्लंघन का खुलासा करने में सफल नहीं रहते हैं तो उनके निकाले जाने या मुआवजे के संबंध में निवेशकों के सामने कंपनी का खुलासा प्रभावित होगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स आज 631.83 अंकों की गिरावट के साथ ही 1.04 फीसदी नीचे आकर 60115.48 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.97 फीसदी तकरीबन 176.35 अंक फिसलकर 17924.85 के स्तर पर बंद हुआ।

आज सुबह शुरुआती कारोबार में बाजार की सपाट शुरूआत हुई पर इसके बाद दुनिया भर के बाजारों के दबाव में बाजार नीचे आना शुरु हो गया। आज कारोबार के दौरान सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी के पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली और ये 2.67 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज व प्राइवेट बैंक इंडेक्स के शेयर भी एक फीसदी से ज्यादा गिरे। मीडिया मेटल आईटी रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.50 फीसदी से अधिक की गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी पर आज हेल्थकेयर इंडेक्स 0.13 फीसदी और ऑटो इंडेक्स 0.28 फीसदी बढ़कर बंद हुआ. इस गिरावट के बीच भी टाटा मोटर्स (5.92 फीसदी) अपोलो हॉस्पिटल (1.46 फीसदी) हिंडाल्को (1.38 फीसदी) पावरग्रिड (1.32 फीसदी) और डीवी लैब (1.23 फीसदी) के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं अडानी एंटरप्राइजेज (-5.67 फीसदी) भारती एयरटेल (-2.98 फीसदी) आयशर मोटर्स (-2.84 फीसदी) अडानी पोर्ट्स (-2.65 फीसदी) और एसबीआईएन (-2.01 फीसदी) नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार यूरोपियन और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकंतों से घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा और वह नीचे आया। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की शेयर बाजार से निकासी जारी रहने और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंक शेयरों में बिकवाली से बाजार को नुकसान हुआ।

साएंट डीएलएम ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराए

नयी दिल्ली, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) और समाधान प्रदाता साएंट डीएलएम लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 740 करोड़ रुपये जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ के तहत पूरी तरह नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी 148 करोड़ रुपये के आईपीओ-पूर्व नियोजन पर भी विचार कर सकती है। आईपीओ के जरिये जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी कारोबार विस्तार, कर्ज चुकाने के लिए करेगी। साएंट की अनुषंगी कंपनी साएंट डीएलएम एक अग्रणी एकीकृत ईएमएस और समाधान प्रदाता है। इसकी तीन राज्यों... हैदराबाद, बेंगलुरु और मैसूर में विनिर्माण सुविधाएं हैं। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

अमेरिकी कारोबारियों से मिले केंद्रीय मंत्री गोयल

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में प्रमुख वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के हितधारकों के साथ निवेश के अवसरों व द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर बातचीत की है। इस दौरान भारत में निवेश के अवसरों तथा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को और मजबूत करने के क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई। अमेरिका पहुंचे गोयल ने निवेश और वित्तीय दिग्गजों के सीईओ के साथ कई बैठकें कीं। स्मार्ट और टिकाऊ भवन समाधान प्रदाता जॉनसन कंट्रोल्स के अध्यक्ष और सीईओ जॉर्ज ओलिवर के साथ बैठक के बाद गोयल ने ट्वीट किया कि उन्होंने डीकार्बोनाइजेशन और भारत में टिकाऊ इमारतों के विकास में कंपनी की भूमिका को बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने अनुसंधान और विकास इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सुरक्षा उत्पादों को विकसित करने पर भी चर्चा की। निवेश प्रबंधन दिग्गज ब्लैकस्टोन के सीईओ और चेयरमैन स्टीफन श्वार्जमैन के साथ अपनी बैठक में गोयल ने बुनियादी ढांचे नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन सहित भारत के निवेश परिदृश्य के विस्तार पर चर्चा की। गोयल ने मास्टरकार्ड के सीईओ माइकल मीबैक और वैश्विक निवेश फर्म कोहलबर्ग क्राविस रॉबर्ट्स एंड कंपनी के सह-संस्थापक और सह-कार्यकारी अध्यक्ष हेनरी क्राविस से मुलाकात की।

टीसीएस का मुनाफा तिमाही आधार पर बढ़कर 10846 करोड़ हुआ

कंपनी ने मुनाफे में वृद्धि के बाद 2 डिविडेंड्स का ऐलान

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पे रिणामों की घोषणा कर दी है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर 10431 से बढ़कर 10846 करोड़ रुपए हो गया है। यह 4 फीसदी की बढ़ोतरी है। वहीं सालाना आधार पर यह 9769 से 11 फीसदी बढ़ा है। इस मुनाफे के साथ ही कंपनी ने शेयरधारकों के लिए 2 अलग-अलग डिविडेंड का ऐलान कर दिया है। कंपनी 67 रुपए का स्पेशल डिविवेंड और 8 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। टीसीएस के एक अे धिकारी ने कहा कि हम एक सीजनली कमजोर तिमाही में अपनी मजबूत वृद्धि से संतुष्ट हैं। हमारी क्लाउड सर्विसेज बाजार में हिस्सेदारी और नॉर्थ अमेरिका व यूके में पहुंच और बढ़ने से यह लाभ मिला है। मौजूदा अनिश्चितताओं से आगे देखते हुए लंबी अवधि में हमारी वृद्धि का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। इस तिमाही में कंपनी की नौकरी छोड़ने की दर बढ़ गई है।

गौरतलब है कि नौकरी छोड़ने की दर अगर बढ़ती है तो कंपनियों को वेतन बढ़ाना पड़ता है। जिसका असर उसके मुनाफे पर होता है। इस तिमाही में कंपनी के पास कुल 616171 कर्मचारी काम कर रहे थे। मंगलवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली और टीसीएस भी हरे निशान में ही रहा। तिमाही नतीजे आने से पहले ही ये शेयर 108 रुपए की बढ़त के साथ 3320 रुपए के करीब बंद हुआ।

पिछले एक हफ्ते में ये शेयर करीब 50 रुपए ऊपर चढ़ा है। टीसीएस का मार्केट कैप 11.75 लाख करोड़ रुपए से अधिक है और ये सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल है। टीसीएस टाटा समूह की लार्ज कैप कंपनी है। ये दुनिया के कई देशों में अपनी सेवाएं देती है।

वर्ष 2022 में खुदरा रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 6 गुना बढ़ा

मुंबई ।(एजेंसी)

कोरोना के बाद शॉपिंग मॉल में गतिविधियां बढ़ने से वर्ष 2022 में खुदरा रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश छह गुना होकर 49.2 करोड़ डॉलर पर पहुंच चुका हैं। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021 में कोविड-19 की वजह से शॉपिंग मॉल कारोबार के बुरी तरह प्रभावित होने से खुदरा रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश सिर्फ 7.7 करोड़ डॉलर रहा था। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि वर्ष 2022 में भारत के समूचे रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 4.9 अरब डॉलर पर पहुंच चुका हैं जबकि एक साल पहले यह 4.8 अरब डॉलर रहा था। इसमें डेटा केंद्रों जैसे वैकल्पिक परिसंपत्ति खंड ने 86.7 करोड़ डॉलर का निवेश आकर्षित किया जबकि वर्ष 2021 में यह 45.3 करोड़ डॉलर रहा था। इस तरह वैकल्पिक परिसंपत्ति खंड में निवेश पिछले साल 92 प्रतिशत तक बढ़ गया। इस खंड में डेटा केंद्रों के अलावा बुजुर्गों के लिए आवास हॉलिडे होम्स और छात्रों की आवासीय इकाइयां शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रियल एस्टेट निवेश में कार्यालय स्थलों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत रही। वर्ष 2022 में इस खंड में कुल संस्थागत निवेश 1.98 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 1.32 अरब डॉलर था। हालांकि औद्योगिक एवं भंडारण परिसंपत्तियों में निवेश बीते साल 29 प्रतिशत घटकर 65.6 करोड़ डॉलर रह गया। वहीं आवासीय परिसंपत्ति वर्ग में भी संस्थागत निवेश 29 प्रतिशत गिरकर 65.6 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि वर्ष 2021 में यह 91.9 करोड़ डॉलर था।

पार्कप्लस ने 140 करोड़ रुपये जुटाए 100 शहरों में करेगी विस्तार

मुंबई ।(एजेंसी)

कार सेवा प्रबंधन एप पार्कप्लस ने वित्तपोषण के नए दौर में 140 करोड़ रुपये जुटाए हैं जिसका इस्तेमाल वह अपना विस्तार 100 शहरों तक करने में करेगी। कंपनी ने कहा कि एपिक कैपिटल मैट्रिक्स पार्टनर्स इंडिया और सिकोया कैपिटल इंडिया की अगुवाई में हुए वित्तपोषण के दौर में उसने 140 करोड़ रुपये का वित्त जुटाया है। राशि का इस्तेमाल देश के 100 शहरों तक अपना विस्तार करने और 200 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती पर करेगी। पार्कप्लस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित लखोटिया ने कहा कि कंपनी पहले से ही 20 से अधिक शहरों में अपनी सेवाएं दे रही है और अगले छह-आठ महीनों में इस 100 शहरों तक ले जाने की योजना है। यह कंपनी उपयोगकर्ताओं को वाहन पार्किंग की जगह तलाशने ट्रैफिक चालान पर नजर रखने और फास्टैग की चार्जिंग और कार की मरम्मत जैसी सुविधाएं देती है।

2023 एमजी हेक्टर फेसलिफ्ट हो चुकी है बाजार में पेश

आज उठेगा कार की कीमत से पर्दा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय बाजार के लिए 2023 एमजी हेक्टर फेसलिफ्ट को पहले ही पेश किया जा चुका है। अब इसकी कीमतों की घोषणा 11 जनवरी को 2023 ऑटो एक्सपो में होगी। पहली बार 2019 में एसयूवी को 'भारत की पहली इंटरनेट कार' के रूप में 12.18 लाख रुपये में पेश किया गया था। वर्तमान में मॉडल लाइनअप 14.73 लाख रुपये - 20.66 लाख रुपये (सभी एक्स-शोरूम) की कीमत सीमा के भीतर आता है। यह हेक्टर के लिए पहला अपडेट है जिसमें थोड़ा बेहतर स्टाइल और नई सुविधाओं का एक समूह है। फ्रंट एंड में ज्यादातर कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं।

नई हेक्टर फेसलिफ्ट में डायमंड जैसे पैटर्न और क्रोम सराउंड में नए डिजाइन की ग्रिल है। नए ग्लॉस ब्लैक इन्सर्ट्स के साथ स्प्लिट हेडलैंप सेटअप और एक पेंटागोनल हाउसिंग हाई-माउंटेड एलईडी डीआरएल और क्रोम फिनिश्ड सेंट्रल एयर इनटेक इसके नए लुक को और बढ़ाते हैं।2023 एमजी हेक्टर फेसलिफ्ट को भारतीय बाजार के लिए पहले ही पेश किया जा चुका है। हालांकि इसकी कीमतों की घोषणा 11 जनवरी को 2023 ऑटो एक्सपो में की जाएगी। जैसा कि आप जानते हैं एसयूवी को पहली बार 2019 में 'भारत की पहली इंटरनेट कार' के रूप में 12.18 लाख रुपये में पेश किया गया था।नई हेक्टर फेसलिफ्ट में डायमंड जैसे पैटर्न और क्रोम सराउंड में नए डिजाइन की ग्रिल है

नए ग्लॉस ब्लैक इन्सर्ट्स के साथ स्प्लिट हेडलैंप सेटअप और एक पेंटागोनल हाउसिंग हाई-माउंटेड एलईडी डीआरएल और क्रोम फिनिश्ड सेंट्रल एयर इनटेक इसके नए लुक को और बढ़ाते हैं। वर्तमान में मॉडल लाइनअप 14.73 लाख रुपये - 20.66 लाख रुपये (सभी एक्स-शोरूम) की कीमत सीमा के भीतर आता है।

यह हेक्टर के लिए पहला अपडेट है जिसमें थोड़ा बेहतर स्टाइल और नई सुविधाओं का एक समूह है। फ्रंट एंड में ज्यादातर कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं।

एलन मस्क अपने ट्विटर में करेंगे बड़ा बदलाव

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

एलन मस्क अपनी नई कंपनी ट्विटर में एक और बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहे हैं। बदलाव के बाद उपयोगकर्ताओं को ज्यादा बेहतर ऐप का अनुभव प्राप्त होगा। ट्विटर यूजर्स को कई बदलाव अगले कुछ दिनों में देखने को मिलेंगे। कंपनी उपयोगकर्ताओं को रेकमेंडेड और फॉलो ट्वीट के बीच स्वाइप करने का ऑप्शन देगी। इससे उपयोगकर्ताओं सिंपल लेफ्ट या राइट स्वाइप जेस्चर से रेकमेंडेड और फॉलो ट्वीट में स्विच कर सकते हैं। इस डिजाइन को इस हफ्ते के आखिरी में जारी किया जाएगा। हालांकि अभी स्पष्ट तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि ये फीचर कुछ उपयोगकर्ताओं के लिए जारी किया जाएगा या सभी उपयोगकर्ताओं इसे एक साथ इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा मस्क ने लांग फॉर्म ट्वीट को लेकर भी घोषणा की है। इसको लेकर मस्क ने कहा है कि इसे फरवरी की शुरुआत में जारी किया जाएगा। अभी टिवटर उपयोगकर्ताओं को ट्वीट्स को दो अलग-अलग फॉर्म में देखने की मंजूरी देता है। अगर कोई उपयोगकर्ताओं ट्विटर होमपेज के टॉप राइट में स्टार बटन पर क्लिक करता है तो प्लेटफॉर्म फार यू और लेटेस्ट का ऑप्शन दिखाती है। फार यू ऑप्शन से उपयोगकर्ताओं को रेकमेंडेड ट्वीट्स दिखते हैं जबकि लेटेस्ट से आपके फॉलो किए गए अकाउंट्स के नए ट्वीट्स दिखते हैं।

चालू विपणन सत्र में चार जनवरी तक 16.92 लाख टन चीनी निर्यात की गई

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत ने चालू विपणन सत्र में चार जनवरी तक पड़ोसी देश चीन को 59596 टन चीनी का निर्यात से हित 16.92 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। उद्योग निकाय एआईएसटीए ने यह जानकारी दी। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने कहा कि अक्टूबर 2022 से शुरू हुए चीनी विपणन सत्र में भारत ने बांग्लादेश को 1.47 लाख टन और श्रीलंका को 82462 टन चीनी का निर्यात किया है। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से शुरू होकर सितंबर तक चलता है। सरकार ने विपणन वर्ष 2022-23 में मई तक 60 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी हुई है। चीनी मिलों ने मौजूदा सत्र में एक अक्टूबर 2022 से चार जनवरी तक कुल 1692751 टन चीनी का निर्यात किया है। अभी 3.47 लाख टन से अधिक चीनी का लदान होना है जबकि 2.54 लाख टन चीनी रिफाइनरियों को वितरित की गई है। अब तक किए गए कुल निर्यात में से अधिकतम 1.70 लाख टन का निर्यात सोमालिया को किया गया है।

उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 1.69 लाख टन जिबूती को 1.50 लाख टन और सूडान को 1.37 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया है। मलेशिया को 1.36 लाख टन इंडोनेशिया को 1.18 लाख टन और सऊदी अरब को 1.08 लाख टन का निर्यात किया है। दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में से एक भारत ने विपणन वर्ष 2021-22 में 1.12 करोड़ टन चीनी का निर्यात किया था। वहीं मौजूदा सत्र में चीनी का कुल उत्पादन 3.58 करोड़ टन रहने का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया है।

एसईए ने आरबीडी पामोलिन पर आयात शुल्क 20 प्रतिशत करने का किया आग्रह

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

खाद्य तेल उद्योगों के संगठन एसईए ने केंद्र सरकार से आरबीडी पामोलिन पर आयात शुल्क 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का आग्रह किया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अध्यक्ष अजय झुनझुनवाला ने केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा को सौंपे गए एक ज्ञापन में कहा कि आरबीडी पामोलिन और कच्चा पामतेल (सीपीओ) के बीच आयात शुल्क अंतर को कम-से-कम 15 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए।

इस शुल्क अंतर को 7.5 प्रतिशत पर रखना इंडोनेशिया और मलेशिया के रिफाइनरों के लिए वरदान की तरह है। उन्होंने कहा कि आरबीडी पामोलिन का आयात करना सस्ता है क्योंकि कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की तुलना में इंडोनेशिया द्वारा लगाए आरबीडी पामोलीन पर लगाया गया कर 60 डॉलर प्रति टन कम है। इसकी वजह से बीते दो महीनों में आरबीडी पामोलिन का आयात तेजी से बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि देश में लगभग चार लाख टन पामोलिन की ढुलाई हो चुकी है जिससे घरेलू उद्योग क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है। झुनझुनवाला ने कहा कि कच्चे पामतेल शुल्क में किसी भी बदलाव के बिना आरबीडी पामोलिन पर आयात शुल्क को मौजूदा 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करके शुल्क अंतर को बढ़ाया जा सकता है। हमारा मानना है कि शुल्क में 15 प्रतिशत का अंतर होने से पामोलिन आयात कम होगा और उसकी जगह सीपीओ का आयात बढ़ेगा।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फ्रांस के कप्तान हुजो लोरिस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा

पेरिस। विश्व कप विजेता रहे फ्रांस के कप्तान हुजो लोरिस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह दिया। फ्रांस के लिए 145 मैच खेल चुके लोरिस 2018 विश्व कप विजेता कप्तान थे और पिछले महीने कतर में फाइनल में अर्जेंटीना से हारने वाली टीम की कप्तानी भी उन्होंने की थी। 36 वर्ष के गोलकीपर ने ल एकिप अखबार से कहा कि वह इंग्लिश प्रीमियर लीग में टोटेनहम क्लब के लिये खेलने पर फोकस रखेंगे। उन्होंने कहा,''मैं लगातार अच्छा खेलना चाहता हूं । इस फैसले से क्लब के लिए बेहतर खेल सकूंगा। अगले चार पांच महीने टोटेनहम के साथ उम्दा खेलकर मैं प्रीमियर लीग शीर्ष चार में रहना चाहता हूं। यह प्रदर्शन एफए कप और चैम्पियंस लीग में भी दोहराना चाहूंगा।

मलेशिया ओपन: तृषा-गायत्री की जोड़ी आगे बढ़ी; श्रीकांत, सायना बाहर

कुआलालंपुर, (एजेंसी)।

उभरती भारतीय महिला युगल जोड़ी तृषा जॉली और गायत्री पुलेला गोपीचंद ने मंगलवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के राउंड-आफ-16 में प्रवेश किया, जबकि शीर्ष शटलर किदांबी श्रीकांत और सायना नेहवाल को मंगलवार को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी तृषा और गायत्री ने हांगकांग की युंग नगा टिंग और हांगकांग की युंग पुई लाम को सीधे गेम में 21-19, 21-14 से हराया। दुनिया की नंबर 16वीं भारतीय जोड़ी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया की 14वें नंबर की बल्गेरियाई बहनों गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफनी स्टोएवा के साथ भिड़ेगी। इससे पहले, विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत साल के पहले टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने में विफल रहे और जापान के विश्व नंबर 17 केंटा निशिमोतो से 19-21, 14-21 से हार गए। वहीं सायना नेहवाल चीन की हान यू से 12-21, 21-17, 12-21 से हार गईं। अन्य मुकाबले में आकर्षी कश्यप को भी पहले दौर में चीनी ताइपे की वेन ची सू के हाथों 10-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष युगल जोड़ी कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला प्रारंभिक दौर में दक्षिण कोरिया के कांग मिन ह्यूक और सियो सेउंग जेई से 10-21, 18-21 से हार गए। तृषा और गायत्री की महिला युगल जोड़ी ने सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दिन भारत की एकमात्र जीत दर्ज की। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु अपने पहले मैच में स्पेन की कैरोलिना मारिन से भिड़ेंगी, जबकि लक्ष्य सेन राउंड-16 में जगह बनाने के लिए अपने हमवतन एचएस प्रणय से भिड़ेंगे। तृषा और गायत्री की महिला युगल जोड़ी ने सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दिन भारत की एकमात्र जीत दर्ज की।

नडाल को अपने ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब की रक्षा का भरोसा

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

डिफेंडिंग आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन राफेल नडाल मेलबर्न में अपने टाइटल बचाव को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि सिडनी में यूनाइटेड कप में बैक-टू-बैक हार के बावजूद वह अच्छी फॉर्म में हैं। नडाल ने 2022 सीजन की शानदार शुरूआत की थी, जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन और फ्रेंच ओपन सहित चार खिताब जीते थे, लेकिन चोट ने सीजन के बाद के आधे हिस्से को तबाह कर दिया। यहां तक कि स्पैनियार्ड को 2023 सीजन में वह शुरूआत नहीं मिली, जो वे चाहते थे क्योंकि उन्होंने यूनाइटेड कप में अपने दोनों सिंगल्स मैच गंवा दिए थे। न्यू डॉट कॉम एयू ने नडाल के हवाले से कहा, यह सच है कि पिछले कुछ टूर्नामेंटों में मैं अपने स्तर पर नहीं खेल पाया और सीजन की शुरूआत में मैं सिडनी में दो मैच हार गया, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं तैयारी से नाखुश नहीं हूं। मुझे निश्चित रूप से मैच जीतने की जरूरत है। लेकिन तैयारी काफी अच्छी चल रही है, बहुत अभ्यास कर रहा हूं और मुझे लगता है कि मैं अच्छी फॉर्म में हूं। फिर आपको मैचों में, आधिकारिक टूर्नामेंटों में इसका प्रदर्शन करने की जरूरत है। न्यू डॉट कॉम एयू ने नडाल के हवाले से कहा, यह सच है कि पिछले कुछ टूर्नामेंटों में मैं अपने स्तर पर नहीं खेल पाया और सीजन की शुरूआत में मैं सिडनी में दो मैच हार गया, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं तैयारी से नाखुश नहीं हूं।

हैरी और गार्डनर को मिला आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

लाहौर , (एजेंसी)।

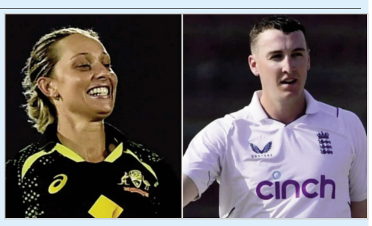

इंग्लैंड के हैरी ब्रुक को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दिसंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। हैरी को पाकिस्तान में हुई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है। हैरी ने पाक में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 3-0 की शानदार जीत दर्ज की और ब्रुक ने हर मैच में शतक लगाया था। रावलपिंडी में उन्होंने 153 और 87 रन बनाने के बाद मुल्तान में 108 और कराची में 111 रन बनाये थे। वहीं महिला वर्ग में यह खिताब ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर को मिला है। गार्डनर ने भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया था। गार्डनर ने भारत के खिलाफ 115 रन बनाने के साथ ही 18.28 की औसत से सात विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के आधार पर गार्डनर ऑलराउंडर खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गयी थीं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यह सीरीज 4-1 से जीती थी। हैरी ओर गार्डनर को मीडिया प्रतिनिधियों आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल खिलाड़ियों पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और आईसीसी की वेबसाइट पर पंजीकृत प्रशंसकों के मतों के आधार पर चुना गया। हैरी और गार्डनर दोनो को ही पहली बार यह आईसीसी खिताब मिला है।

महिला अंपायर राठी, नारायणन और वेणुगोपालन ने रणजी ट्रॉफी में किया डेब्यू

नई दिल्ली , (एजेंसी)।

वृंदा राठी, जे नारायणन और गायत्री वेणुगोपालन मंगलवार को प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाली शुरुआती महिला अधिकारी बनीं। ये पूर्व स्कोरर, पूर्व सॉफ्टवेयर इंजीनियर और पूर्व खिलाड़ी हैं। वेणुगोपालन झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच जमशेदपुर में अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं जबकि नारायणन सूरत में रेलवे बनाम त्रिपुरा और राठी पोरवोरिम में गोवा बनाम पुडुचेरी मुकाबले में अंपायरिंग कर रही हैं। ये तीनों महिला प्रतियोगिताओं की प्रतिष्ठित अधिकारी हैं और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के महिला अंपायरों को पुरुष घरेलू प्रतियोगिताओं में मौका देने के फैसले से उन्हें रणजी ट्रॉफी में अधिकारी की भूमिका निभाने का मौका मिला है। नारायणन 36 साल की हैं और उन्हें क्रिकेट और इससे जुड़ी सभी चीजें पसंद हैं। वह मैदान पर उतरना चाहती थी और उन्होंने अंपायर बनने के लिए तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) से भी कुछ मौकों पर संपर्क किया। इसके कुछ साल बाद राज्य संस्था ने अपना नियम बदलते हुए महिलाओं को अधिकारी की भूमिका निभाने की स्वीकृति दी जिसके बाद नारायणन ने 2018 में बीसीसीआई की लेवल दो की अंपायरिंग परीक्षा पास की और फिर अपनी सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नौकरी छोड़कर अंपायरिंग से जुड़ी।वह 2021 में तमिलनाडु प्रीमियर लीग में भी अधिकारी की भूमिका निभा चुकी हैं। दूसरी तरफ 32 साल की राठी मुंबई में स्थानीय मैचों में स्कोरिंग करती थी। उन्होंने बीसीसीआई की स्कोरर की परीक्षा पास की। वह 2013 महिला विश्व कप में बीसीसीआई की आधिकारिक स्कोरर थी। इसके बाद वह अंपायरिंग से जुड़ी। नारायणन और राठी अनुभवी अंपायर हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने 2020 में उन्हें डेवलपमेंट अंपायरों के पैनल में शामिल किया। दिल्ली की 43 साल की वेणुगोपालन ने क्रिकेटर बनने का सपना देखा था लेकिन कंधे की चोट ने उनका सपना तोड़ दिया। उन्होंने बीसीसीआई की परीक्षा पास करने के बाद 2019 में अंपायरिंग शुरू की। वह पहले ही रणजी ट्राफी में रिजर्व अंपायर (चौथे अंपायर) की भूमिका निभा चुकी हैं। बीसीसीआई महिला अंपायरिंग के मामले में काफी पीछे है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में पुरुष क्रिकेट में वे पहले ही अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। बीसीसीआई से पंजीकृत 150 अंपायर में सिर्फ तीन महिला हैं।

संक्षिप्त समाचार

एआईएफएफ ने पूर्णकालिक अनुबंध हासिल करने वाले पेशेवर मैच अधिकारियों की घोषणा की

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल में पहली बार एलीट मैच अधिकारियों (रैफरी और सहायक रैफरी) को पूर्णकालिक अनुबंध दिए गए हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और उसके व्यावसायिक साझेदारों के संयुक्त निवेश के तहत 'विजन 2047' के खाके के अंतर्गत एलीट रैफरी विकास योजना (ईआरडीपी) का लक्ष्य भारतीय फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र को रैफरियों के लिए व्यावहारिक करियर विकल्प बनाना है। पहले समूह में आठ रैफरी और इतने ही सहायक रैफरी को शामिल किया गया है। पेशेवर मैच अधिकारियों के अगले समूह की घोषणा 2024 में होगी। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा,''फुटबॉल का मुकाबला रैफरी के बिना आयोजित नहीं किया जा सकता है और इसलिए यह हमारे लिए मुख्य फोकस का क्षेत्र है। रैफरी को पूर्णकालिक नियुक्ति देकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सही प्रकार का प्रशिक्षण, समर्थन और वित्तीय सुरक्षा मिले।' उन्होंने कहा, ''इस तरह का कदम पेशे को प्रोत्साहित करेगा, उम्मीद है कि इससे रैफरी बनना आकर्षक होगा और अधिक लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा, विशेषकर जमीनी स्तर पर।''

बुमराह लंबे समय में भारतीय टीम को बेहतर बनाने जा रहे हैं : आर्नोल्ड

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी रसेल अर्नोल्ड का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबे समय में टीम को बेहतर बनाएंगे, हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि टीम को यह सुनिश्चित करना होगा कि दाएं हाथ का तेज गेंदबाज अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप टीम के लिए उपलब्ध रहे। गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह के श्रृंखला में नहीं खेलने की जानकारी दी थी। बीसीसीआई ने कहा था कि बुमराह की अनुपस्थिति में कोई विकल्प नहीं होने के कारण एहतियाती उपाय के रूप में निर्णय लिया गया है, जिससे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट वापसी में और देरी हो रही है जो सितंबर 2022 से पीठ की चोट के कारण बाहर है। आर्नोल्ड ने कहा, %ठीक है, आप उसे हर समय चाहते हैं लेकिन जैसा कि हम सभी जानते हैं, उसका विशेष कार्य है, छोटा रन अप उसके शरीर पर बहुत दबाव डालता है और इसलिए वह बार-बार चोटिल हो सकता है। अगर आपका लक्ष्य विश्व कप है, सुनिश्चित करें कि वह उस टूर्नामेंट के लिए वहां है। आप उसे टी20 विश्व कप में चूक गए थे और आप नहीं चाहते कि ऐसा दोबारा हो।' आर्नोल्ड ने कहा, 'और सतर्क रहना, यह सुनिश्चित करना कि वह वास्तव में इस टूर्नामेंट के लिए परिपक्व है, भारत के लिए जाने का रास्ता है क्योंकि जब वह आता है, तो यह बड़े पैमाने पर बढ़ावा होगा, यह एक बड़ा बोनस है। इसलिए योजनाएं उस पर आधारित नहीं होंगी क्योंकि वह केवल टीम को बेहतर बना सकता है, इसलिए आप अच्छी स्थिति में हैं, भले ही वह इन खेलों के लिए हो या न हो।

'सचिन के युग में रन बनाना कठिन था', गंभीर बोले- आप विराट की तुलना दिग्गज से नहीं कर सकते

(एजेंसी)।

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में अपना 45वां वनडे शतक दर्ज करने के बाद 2023 की धमाकेदार शुरुआत की। कोहली ने इसी के साथ घरेलू मैदान पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के 20 शतक लगाने के अविश्वसनीय कारनामे की बराबरी भी कर ली है, जिसके बाद उनकी तुलना सचिन से हो रही है। हालांकि, पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कोहली की रिकॉर्ड-बराबर पारी को स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने कहा कि आप कोहली की तुलना सचिन से नहीं कर सकते, क्योंकि सचिन के युग में रन बनाना कठिन था। गंभीर ने एक टीवी शो में कहा, आप विराट की तुलना सचिन से नहीं कर सकते। सचिन के जमाने में 30 गज के दायरे में 5 खिलाड़ी नहीं होते थे। उन्होंने कहा,यह बहुत ही सामान्य गेंदबाजी थी। भारतीय बल्लेबाजी क्रम के शीर्ष तीन ने बहुत सारे रन बनाए हैं और उनके पीछे बहुत सारे रन हैं। जाहिर है, रोहित और कोहली, शुभमन भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने सारे रन बनाने की क्षमता रखते हैं और यह कितना आसान है। गंभीर ने आगे कहा,आज रोहित और शुभमन रन बना रहे थे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात थी। आपको लगातार बने रहना होगा और श्रीलंका की गेंदबाजी मेरे लिए बहुत निराशाजनक थी। गौरतलब है कि कोहली ने लंबे समय के बाद अपनी फॉर्म फिर से वापस हासिल की है। उन्होंने एशिया कप में आफिगानिस्तान के खिलाफ टी20 शतक लगाकर अपनी वापसी का ऐलान किया था, इसके बाद उन्होंने टी20 विश्व कप और पिछ्ले महीने बांग्लादेश के खिलाफ भी शानदार फॉर्म का परिचय दिया था। फैंस को उम्मीद रहेगी कि कोहली आगे चलकर और भी कई कीर्तिमान स्थापित करें।

जुडोका तूलिका मान ने सीडब्ल्यूजी की सफलता के लिए खेलो इंडिया को दिया श्रेय

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

भारतीय जूडोका तूलिका मान ने बमिंर्घम में राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में अपने प्रदर्शन के लिए खेलो इंडिया योजना को श्रेय दिया है, जहां उन्होंने 78 से अधिक किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। 2022 में अपनी बमिंर्घम सफलता से पहले, तूलिका ने 2019 राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक भी जीते थे। इसके अलावा, उसके पास उसी वर्ष आयोजित दक्षिण एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक था। तूलिका ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित एक बातचीत में कहा, खेलो इंडिया ने वास्तव में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेरी मदद की। अगर खेलो इंडिया नहीं होता तो मैं साई भोपाल में नहीं होती, जहां मेरे पास एक निश्चित प्रशिक्षण चक्र था जिसमें मेरा आहार और दिनचर्या शामिल थी। मैंने पुणे में खेलो इंडिया 2018 में अपनी पहली प्रतियोगिता खेली थी। कुल मिलाकर, मैंने चार खेलो इंडिया टूर्नामेंटों में शिरकत की, जिसमें यूनिवर्सिटी गेम्स शामिल हैं। यह योजना जमीनी स्तर से एथलीटों के उत्थान में मदद करती है। जुडोका ने 2023 के लिए अपनी योजनाओं का खुलासा किया, अभी के लिए, मुख्य लक्ष्य अच्छा प्रशिक्षण प्राप्त करना है। मेरे टूर्नामेंट मार्च में शुरू हो रहे हैं। मैं भोपाल में साई प्रशिक्षण केंद्र जा रही हूं। साथ ही, मेरा लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना है। एशियाड के बाद मैं अगले साल के ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लूंगी। 24 वर्षीय जुडोका ने यह भी उल्लेख किया कि देश में एथलीटों के लिए चीजें धीरे-धीरे बेहतर हो रही हैं। मध्य प्रदेश में खेल सुविधाओं के विकास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, चीजें धीरे-धीरे बदल रही हैं। केवल एक बार में कुछ भी नहीं बदला जा सकता है। पहले, हमारे पास केवल दो प्रशिक्षण मैट थे, अब हमारे पास साई भोपाल में चार हैं। हमारे पास वहां सबसे अच्छी सुविधाएं हैं। हमारे पास फिजियो, आहार विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक हैं। 24 वर्षीय जुडोका ने यह भी उल्लेख किया कि देश में एथलीटों के लिए चीजें धीरे-धीरे बेहतर हो रही हैं।

विश्व एथलेटिक्स ने पेरिस 2024 के लिए जारी किया कार्यक्रम

जेनेवा। विश्व एथलेटिक्स ने पेरिस 2024 ओलम्पिक खेलों के लिए एथलेटिक्स स्पर्धाओं का कार्यक्रम सोमवार को जारी कर दिया। कार्यक्रम के अनुसार 48 स्पर्धाएं 11 प्रतियोगी दिनों में होंगी। इसकी शुरूआत एक अगस्त को पुरुष और महिला 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा से होगी और इनका समापन 11 अगस्त को महिला मैराथन से होगा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह खबर दी है। स्टेडियम के अंदर होने वाली 43 स्पर्धाओं के सभी फाइनल्स नौ शाम के सत्रों में होंगे जबकि पांच रोड इवेंट्स चार अलग-अलग दिन सुबह के सत्र में आयोजित होंगे। पिछले साल की घोषणा के अनुसार एक नया रेपेचेज फॉर्मेट 2024 ओलंपिक्स में शुरू किया जाएगा। यह पुरुष और महिला 200मी, 400मी, 800मी, 1500मी और बाधा स्पर्धाओं में लागू किया जाएगा। जो एथलीट पहले राउंड की हीट से क्वालीफाई करने में असफल रहते हैं उन्हें रेपेचेज में हिस्सा लेकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का दूसरा मौका दिया जाएगा।

हॉकी विश्व कप 2023 : श्रीजेश बोले- उम्मीद है कि हम शीर्ष पर रहेंगे

राउरकेला (एजेंसी)।

अपने चौथे और घरेलू सरजमीं पर तीसरे एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में खेलने की तैयारी कर रहे भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को लगता है कि उनकी टीम पिछले टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है और यहां तक कि इस बार पोडियम के शीर्ष पर जगह बना सकती है। प्रतिष्ठित हॉकी विश्व कप शुक्रवार से यहां शुरू होगा। भारत 2018 के टूर्नामेंट में दो मैच जीतकर और एक ड्रॉ करने के बाद अपने पूल में शीर्ष पर था लेकिन क्वार्टर फाइनल में तब उप विजेता रहे नीदरलैंड से 2-1 से हार गया था। तब टूर्नामेंट भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेला गया था जो इस बार भी दो आयोजन स्थलों में से एक है। स्पेन के खिलाफ शुक्रवार को ग्रुप डी के भारत के पहले मैच से पूर्व श्रीजेश ने कहा, 'अपने देश के लिए चौथा विश्व कप खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और खास बात यह है कि घरेलू सरजमीं पर यह मेरा तीसरा विश्व कप है। मुझे नहीं लगता कि किसी खिलाड़ी को घरेलू मैदान पर तीन विश्व कप खेलने का सौभाग्य मिला है।'उन्होंने कहा, '2018 में हम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके थे। अब हमारे पास इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपनी किस्मत बदलने का एक और मौका है। उम्मीद है कि हम अपने पिछले प्रदर्शन में सुधार कर पाएंगे और शीर्ष पर जगह बना पाएंगे।' अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में 1975 के टूर्नामेंट में स्वर्ण जीतने के बाद से भारत 48 वर्षों में पोडियम पर जगह नहीं बना पाया है। मनप्रीत सिंह के बाद टीम में शामिल सबसे अनुभवी खिलाड़ी 34 वर्षीय श्रीजेश ने कहा कि आप कितनी बार विश्व कप में खेले इससे अधिक नतीजा मायने रखता है। टोक्यो ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले श्रीजेश ने कहा, ''मैंने हमेशा महसूस किया है कि यह मायने नहीं रखता है कि आपने कितनी बार एक टूर्नामेंट खेला है बल्कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आपने इसे जीता है या नहीं। इस बार भी मेरे लिए महत्वूपर्ण है कि मैं अपना शत प्रतिशत दूं और टूर्नामेंट से वांछित परिणाम हासिल करूं।' एफआईएच के साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने गए श्रीजेश ने याद किया जब पहली बार विश्व कप में खेलते हुए उन्हें 2010 में नयी दिल्ली में मुख्य कोच ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ गोलकीपर की जिम्मेदारी सौंपी।

अमेरिका में जार्जिया के नोलान स्मिथ सीपीएफ चैम्पियनशिप गेम जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ उत्साहित नजर आये।

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्ब्जवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है।नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं। सामान्यत : पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।

लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।

हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है। ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।

लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत : कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।

लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथन्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष विशेषज्ञ नासा के नए मुख्य प्रौद्योगिकीविद् नामित

वाशिंगटन। एक भारतीय-अमेरिकी एयरोस्पेस उद्योग विशेषज्ञ को यहां अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का नया मुख्य प्रौद्योगिकीविद् नियुक्त किया गया है। ए . सी चरानिया नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) मुख्यालय में प्रशासक बिल नेल्सन के प्रधान सलाहकार के तौर पर सेवाएं देंगे और प्रौद्योगिकी नीति और कार्यक्रमों पर सलाह देंगे। नासा ने सोमवार को एक बयान में कहा, अपनी स्थिति में, ए सी चरानिया छह मिशन निदेशालयों में मिशन की जरूरतों के साथ नासा के एजेंसी स्तरीय प्रौद्योगिकी निवेश को संरेखित करेंगे। इसके साथ ही वह अन्य संघीय एजेंसियों, निजी क्षेत्र और बाहरी हितधारकों के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग की देखरेख करेंगे। बयान में प्रौद्योगिकी, नीति और रणनीति के लिए नासा की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर भव्या लाल को उद्धृत करते हुए कहा गया, 'चरानिया बड़े, तेजी से बदलते प्रौद्योगिकी विभागों के प्रबंधन में एक अनुभवी व्यक्ति हैं। हम नासा में उनके ज्ञान और उत्साह से लाभान्वित होने के लिए उत्सुक हैं।' चरानिया की नियुक्ति से पहले लाल कार्यवाहक मुख्य प्रौद्योगिकीविद् के तौर पर काम कर रहीं थीं। चरानिया ने बयान में कहा, '21वीं सदी में हम प्रगति की जिस रफ्तार को चाहते हैं, वह हमारे मिशनों को निष्पादित करने के लिए प्रौद्योगिकियों के एक पोर्टफोलियो को चुनने और परिपक्व करने पर निर्भर है।

कोविड पूर्व के स्तर की ओर लौट रही है हज यात्रा

दुबई। कोरोना वायरस महामारी को लेकर चिंताओं के कारण लगाई गई पाबंदियों को कम किए जाने के बाद सऊदी अरब में वार्षिक हज यात्रा के इस साल महामारी पूर्व के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस्लाम में हज सभी सक्षम मुसलमानों के लिए उनके जीवन में एक बार आवश्यक है। यह दुनिया के लोगों के सबसे बड़े जमावड़े में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। महामारी से पहले, हजयात्रा के लिये हर साल इस्लाम में पवित्र माने गए शहर मक्का में लाखों लोग जुटते थे। वर्ष 2019 में 24 लाख लोगों ने वार्षिक यात्रा में हिस्सा लिया था लेकिन 2020 में महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के चलते सऊदी अरब ने हजयात्रियों की संख्या को सिर्फ 1000 तक सीमित कर दिया। यह कदम अभूतपूर्व था क्योंकि 1918 की फ्लू महामारी के दौरान भी ऐसा नहीं किया गया था जब दुनिया भर में करोड़ों लोगों की जान बीमारी से चली गई थी। वर्ष 2021 में सऊदी अरब के करीब 60 हजार निवासियों को हज यात्रा की इजाजत दी गई। पिछले साल करीब 10 लाख लोगों ने वार्षिक धार्मिक यात्रा की। लाल सागर के बंदरगाह शहर जेद्दा में हज के बारे में सोमवार रात एक सम्मेलन में सऊदी हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फवजान अल-रबिया ने प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा की। राज्य द्वारा संचालित सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार अल-रबियाह ने कहा, 'मैं इस बैठक में आपके लिए दो अच्छी खबरें लेकर आया हूं। पहला- तीर्थयात्रियों की महामारी पूर्व संख्या की वापसी बिना उम्र संबंधी किसी प्रतिबंध के।' उन्होंने कहा, 'और दूसरा: दुनिया भर के किसी भी हज मिशन को किसी भी लाइसेंस प्राप्त कंपनी से करार की अनुमति देना जो उन देशों के तीर्थयात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करती हो।' हाल के वर्षों में केवल 18 से 65 वर्ष की आयु के लोग ही हज में शामिल हो सकते थे। सऊदी अरब ने यह भी सीमित कर दिया था कि कौन सी निजी कंपनियां हज के लिए यात्रा की व्यवस्था कर सकती हैं।

चीन ने जवाबी कार्रवाई में दक्षिण कोरियाई लोगों के लिए वीजा निलंबित किया

बीजिंग। चीन ने अपने देश के यात्रियों के लिए कोविड-19 जांच सियोल द्वारा अनिवार्य किए जाने के विरोध में पर्यटन या व्यापार के सिलसिले में देश आने वाले दक्षिण कोरियाई लोगों के लिए वीजा मंगलवार को निलंबित कर दिया। सियोल में चीनी दूतावास द्वारा ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक संक्षिप्त नोटिस में कहा गया है कि यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा जब तक कि दक्षिण कोरिया देश में ''चीनी लोगों के प्रवेश पर अपने भेदभावपूर्ण कदमों'' को हटा नहीं लेता। इस संबंध में कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया, हालांकि चीन ने उन देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी है, जिन्होंने चीनी यात्रियों के लिए पिछले 48 घंटों के भीतर की कोविड-19 जांच की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाना जरूरी कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चीन में महामारी के दौरान आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि चीन में पाबंदियां हटाए जाने के बाद कोविड महामारी के मामले तेजी से बढ़ने की खबर है।

अमेरिका में एयरपोर्ट पर जांच के दौरान महिला के बैग से निकला 4 फीट लंबा सांप

लॉस एंजेलस। अमेरिका के एक एयरपोर्ट पर एक महिला के बैग की जांच के दौरान एक सांप निकल आया। एयरपोर्ट के कर्मचारियों को बिल्कुल अंदाज़ा नहीं था कि महिला के बैग की चेकिंग के समय उनका सामना सांप जैसे किसी ज़हरीले जीव से हो जाएगा। यह मामला इस समय सुर्खियां बटोर रहा है। घटना पिछले महीने की है जिसकी तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। तस्वीर में बैग के अंदर छिपा हुआ सांप भी दिख रहा है जो सिक्योरिटी को स्कैनिंग मशीन में दिखाई दिया। यह पूरा मामला अमेरिका के टैम्पा का है। जहां एक महिला एयरपोर्ट से अपनी फ्लाइट पकड़ने के लिए आई थी। जब महिला के बैग को स्कैनिंग मशीन में रखा गया तब उसमें सिक्योरिटी स्टाफ को कुछ अलग सी दिखाई दिया। महिला के बैग में सिक्योरिटी स्टाफ को 4 फीट लंबा सांप दिखाई दिया। जांच के दौरान पोल खुलने के बाद महिला को पकड़ लिया गया और उसे सांप के साथ फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया। परिवहन सुरक्षा प्रशासन की ओर से इंस्टाग्राम पर सुरक्षा जांच के दौरान की एक्स रे फोटो शेयर की है। इस फोटो में बैग के अंदर जूते और लैपटॉप जैसे सामानों के साथ एक बोआ कॉन्स्ट्रीक्टर प्रजाति का सांप भी नज़र आ रहा है। हालांकि यह सांप विषैला नहीं होता है लेकिन यह अपने शिकार को जकड़कर मारने की क्षमता रखता है। जैसे ही एयरपोर्ट सुरक्षाकर्मियों ने सांप को देखा उनका दिमाग चकरा गया।

दिलदार कंपनी का तोहफा : अपने कर्मचारियों को बोनस में दी 4 साल की सेलरी

ताइपे सिटी। आज दुनिया में कई कंपनियां आर्थिक मंदी से जूझ रही हैं और कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। वहीं मीडिया में एक कंपनी के कर्मचारियों को सुकून देने वाली खबर सामने आई है। ताइवान की एवरग्रीन मरीन कॉर्प अपने कर्मचारियों को शानदार बोनस दे रही है। कंपनी ने कई कर्मचारियों को 50 महीने की सेलरी बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है यानी कर्मचारियों को चार साल से ज्यादा की सैलरी बोनस में ही मिल जाएगी। ताइपे की यह कंपनी कर्मचारियों के ग्रेड काम और रैंक के आधार पर बोनस देने जा रही है। मामले के जानकार शख्स के मुताबिक कंपनी हर साल कर्मचारियों को अच्छा बोनस देती है। वितीय वर्ष की समाप्ति पर दिया जाने वाला बोनस कर्मचारियों के प्रदर्शन और कंपनी के मुनाफे पर आधारित होता है। जानकारी के मुताबिक पिछले दो सालों से एवरग्रीन मरीन का शिपिंग बिजनेस कमाल कर रहा है। एक तरफ जहां कोरोना महामारी ने अच्छी-अच्छी कंपनियों की हालत खराब कर दी थी वहीं इस कंपनी की कमाई तेजी से बढ़ी है। 2022 का मुनाफा 20.7 अरब डॉलर हो सकता है जो 2020 के मुनाफे से तीन गुना है। यह भी बताया जा रहा है कि 30 दिसंबर को ही बहुत सारे कर्मचारियों को बोनस मिल गया है।

मस्क को हुआ रिकॉर्ड तोड़ नुकसान नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना

वाशिंगटन। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को रिकॉर्ड तोड़ नुकसान हुआ है। संपत्ति घटने का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2021 से लेकर अब तक मस्क को लगभग 180 बिलियन डॉलर (लगभग 14750 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है। मस्क का कुल घाटा 58.6 बिलियन डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को पार कर चुका है जो 2000 में जापानी तकनीकी निवेशक मासायोशी सोन द्वारा तय किया गया था। दरअसल टेस्ला के शेयरों के खराब प्रदर्शन के कारण मस्क की कुल संपत्ति 2021 में 320 बिलियन डॉलर के शिखर से गिरकर जनवरी 2023 तक 138 बिलियन डॉलर रह गई। इसके अलावा मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति नहीं रहे। अब मस्क की जगह बर्नार्ड अर्नाल्ट (फ्रांस) दुनिया के नंबर वन अमीर शख्स बन गए हैं। अर्नाल्ट लग्जरी गुड्स कंपनी(लुई वुइटन मोएट हेनेसी) के संस्थापक हैं जिनकी अनुमानित कुल संपत्ति 190 बिलियन डॉलर है।

कैलीफोर्निया में एक बाढ़ग्रस्त इलाके में पानी में फंसी एक कार।

जेसीपीओए से हटने का फैसला अमेरिकी विदेश नीति से सबसे बड़ी भूल : अमेरिकी शीर्ष अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिकी शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का ईरान परमाणु कार्यक्रम पर एक महत्वपूर्ण समझौते 'जेसीपीओए से हटने का फैसला हाल के वर्षों में अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी रणनीतिक भूलों में से एक है। संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) को आमतौर पर ईरान परमाणु समझौते या ईरान समझौते के रूप में जाना जाता है। इस पर सहमति 14 जुलाई 2015 को ईरान और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ 'पी5 प्लस 1' समूह के बीच वियना में बनी थी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा ''यह (बाइडन) प्रशासन जेसीपीओए से हटने के पिछले प्रशासन के निर्णय पर विचार कर रहा है जो हाल के वर्षों में अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी रणनीतिक भूलों में से एक है।'' 'पी5 प्लस 1' समूह में सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य- चीन फ्रांस रूस ब्रिटेन और अमेरिका तथा जर्मनी शामिल हैं जिन्होंने बराक ओबामा प्रशासन के दौरान ईरान के साथ एक समझौता किया था। प्राइस ने कहा कि अमेरिका के लिए जेसीपीओए को एक राजनयिक व्यवस्था तक पहुंचाने में सक्षम होने का कारण यह था कि उसने ईरान पर महत्वपूर्ण आर्थिक दबाव बनाने के लिए दुनिया भर के सहयोगियों और भागीदारों के साथ काम किया। उन्होंने कहा ''जो अंततः ईरान को वार्ता की मेज पर लाया वह शासन की ओर से मानसिकता में एक रणनीतिक परिवर्तन कतई नहीं था। मुझे लगता है कि यह एक अहसास था कि वे जबरदस्त आर्थिक दबाव में हैं। प्राइस के अनुसार हमारा लक्ष्य सुनिश्चित करना है कि ईरान तब तक दबाव महसूस करता रहे जब तक कि वह रास्ता नहीं बदलता।

ब्राजील में लोकतंत्र के समर्थन में सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

- पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो को जेल भेजने की मांग

ब्राजील (एजेंसी)। ब्राजील में लोकतंत्र के समर्थन में रैलियां निकाली जा रही हैं। दरअसल इन रैलियों के जरिए पूर्व राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो और उनके समर्थकों के खिलाफ नाराजगी भी जताई जा रही है। रविवार को बोलसोनारों के समर्थक यहां की संसद में दाखिल हो गए थे। इस घटना की पूरी दुनिया में निंदा की गई और देश में भी अजीब सी हलचल रही। बोलसोनारों का आरोप है कि राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने धोखाधड़ी करके चुनाव जीता है। अक्टूबर में देश में चुनाव हुए थे और इन चुनावों ने ब्राजील को बांटकर रख दिया। राजधानी ब्रासीलिया में 1500 लोगों को रविवार को हुए दंगों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। देश के सबसे बड़ी शहर साओ पाओलो में हजारों लोगों ने रैली निकालकर बोलसोनारो को जेल में डालने की मांग की है। लूला डी सिल्वा के शपथ ग्रहण के बाद बोलसोनारों के समर्थक काफी नाराज हो गए थे और फिर वो देश की संसद के अंदर दाखिल हो गए। गत दिवस सोमवार को 77 साल के राष्ट्रपति ने संसद का दौरा किया और क्षतिग्रस्त बिल्डिंग का जायजा लिया। दंगाइयो ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास और सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचाया था। इसके बाद गवर्नरों ने इस घटना को आतंकी वारदात कहकर निंदा की थी। उन्होंने साथ ही साजिशकर्ताओं को सजा देने की भी कसम खाई। 67 साल के बोलसोनारो अपनी हार मानने को तैयार नहीं हैं। एक जनवरी को सत्ता हस्तांतरण से पहले ही वह अमेरिका के लिए रवाना हो गए। यहां पर उन्हें पेट दर्द की शिकायत के चलते फ्लोरिडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लूला को आपातकालीन शक्तियों का प्रयोग करना पड़ा

रैली में शामिल बहुत से लोगों ने लाल रंग के कपड़े पहने हुए थे। लाल रंग लूला की वर्कर्स पार्टी का रंग है। कुछ लोगों ने बैनर लिए हुए थे। इन पर लिखा था कि तख्तापलट की चाह रखने वालों के लिए कोई मानवता नहीं दिखानी चाहिए। इन लोगों ने दंगाइयों के लिए सख्त सजा की मांग की। साथ ही बोलसोनारो को जेल में डालो के नारे लगाए। ब्रासीलिया में जब भारी तादाद में जनता सड़कों पर उतरी तो लोग पीले रंग की ब्राजील फुटबॉल शर्ट में थे। इन लोगों ने पुलिस को भी परेशान किया और राजधानी में जमकर उत्पात मचाया। इसके चलते लूला को आपातकालीन शक्तियों का प्रयोग करना पड़ा।

अरब मुल्क महिलाओं के साथ नहीं कर पा रहे न्याय

रियाद। भले ही संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे संपन्न देश विदेशी पर्यटकों और निवेशकों को लुभाने के लिए महिलाओं से जुड़े नियमों में बदलाव कर रहे हैं। लेकिन बड़ी संख्या में अरब मुल्क आज भी महिलाओं के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं। अरब न्यूज वेबसाइट रासीफ-22 के को-एडिटर इन चीफ और पॉलिटिकल एडिटर हसन अब्बास ने 2016 में वेबसाइट के लिए एक लेख लिखा था। अपने लेख में उन्होंने बताया था कि अरब देशों में और उनके इतिहास में महिलाओं की क्या स्थिति है। हसन अब्बास लिखते हैं महिलाओं की आत्मा उनकी योनि में है एक अरबी धर्मगुरु ने यह वाक्य उस शख्स से कहा जो अपनी पत्नी की शिकायत लेकर उसके पास आया था क्योंकि उसकी पत्नी ने उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। यह वाक्य काफी हद तक दिखाता है कि अरब पुरुष महिलाओं को किस तरह देखते हैं। पुरानी किताबों में ऐसे कई वाक्य और उदाहरण हैं जो दिखाते हैं कि पुरुषों ने महिलाओं को सेक्स मशीन से ज्यादा कभी कुछ समझा ही नहीं। उन्होंने लिखा सेक्स और यौन संबंधों जैसे मुद्दों से जुड़ी पुरानी अरबी किताबों को पढ़ने से पता चलता है कि अरब पुरुष महिलाओं से कितना डरते हैं।

पुतिन ने यूक्रेन जंग में उतारा सबसे खतरनाक 5वीं पीढ़ी का फाइटर जेट सुखोई-57

कीव (एजेंसी)। रूस की सेना ने यूक्रेन की जंग में अपने सबसे खतरनाक फाइटर जेट सुखोई-57 को जंग में उतार दिया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने खुफिया सूत्रों के हवाले से खुलासा किया है कि रूस अब सुखोई-57 फाइटर जेट के जरिए यूक्रेन में हमले कर रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है जब यह दावा किया गया है कि रूस अब सुखोई-57 फाइटर जेट के जरिए हमला कर रहा है।

सुखोई-57 रूस का सबसे खतरनाक फाइटर जेट है जो पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट माना जाता है। ब्रिटेन ने बताया सुखोई-57 का इस्तेमाल जून 2022 से किया जा रहा है और अब अनाम रक्षा सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय ने अपने आकलन में कहा कि रूस के ये सुखोई-57 फाइटर जेट अभी रूस के हवाई क्षेत्र में उड़ रहे हैं और वहीं रूस से यूक्रेन पर मिसाइलों की बारिश कर रहे हैं। उसने कहा कि यही वजह है कि इन रूसी विमानों के उड़ान की पुष्टि अभी स्वतंत्र रूप से नहीं हो पाई है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने व्यवसायिक रूप से मौजूद सैटलाइट इमेज को भी जारी किया है जिसमें ये विमान रूस के अखतूबिंस्क एयरबेस पर तैनात दिखाई दे रहे हैं।

रूस ने भले ही सुखोई-57 को अखतूबिंस्क एयरबेस पर तैनात किया हो लेकिन इससे यह साबित नहीं होता है कि यह रूसी विमान यूक्रेन की जंग में इस्तेमाल किया गया है। रूस का यह अखतूबिंस्क एयरबेस कई तरह के रूसी हथियारों का ठिकाना है लेकिन यह एकमात्र ऐसा एयरबेस नहीं है जहां सुखोई-57 विमानों को तैनात किया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक रूस जानबूझकर यूक्रेन की सीमा के अंदर अपने इस सबसे घातक फाइटर जेट को नहीं उतार रहा है। उसे डर है कि पश्चिमी देश उसके इस पांचवीं पीढ़ी के पहले फाइटर जेट के सीक्रेट को जान जाएंगे।

रूस ने अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट को मात देने के लिए इस सुखोई-57 का निर्माण किया है। यह फाइटर जेट रेडॉर की पकड़ में नहीं आता है और परमाणु बम भी गिराने की ताकत रखता है। यही नहीं इसे किसी मिसाइल हमले में मार गिराना आसान नहीं होता है। रूस ने इस विमान के निर्माण के दौरान अपने दोस्त भारत को भी ऑफर दिया था लेकिन भारत ने इसकी तकनीक पर भरोसा नहीं जताया और पूरी डील से पीछे हट गया था। रूस अब इसे तुर्की समेत कई अन्य देशों को ऑफर देना चाहता है।

इंडोनेशिया में आया 7.7 तीव्रता का भूकंप सुनामी की चेतावनी जारी

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया में सोमवार रात को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.7 मापी गई। भूकंप इतना तेज था कि डार्विन सहित इसे ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी हिस्से में भी महसूस किया गया। जोरदार झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। इंडोनेशिया में अक्सर इस तरह के जोरदार भूकंप आते रहते हैं जो कई बार भयानक सुनामी को ट्रिगर करते हैं। इंडोनेशिया में हर साल हजारों लोग प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आकर जान गंवा देते हैं। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) ने कहा कि भूकंप इंडोनेशिया के तनिंबर क्षेत्र में आया था। ईएमएससी ने कहा कि भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 97 किमी नीचे गहराई में था। भूकंप स्थानीय समयानुसार तड़के 3.17 बजे आया। भूकंप छोटे एशियाई देश पूर्वी तिमोर के उत्तर-पूर्व में आया और बांदा सागर में केंद्रित था। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार डार्विन में 4 मिनट तक झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के लिए सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है। जॉइंट ऑस्ट्रेलियन सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन मेनलैंड द्वीपों या क्षेत्रों के लिए सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

तूफान के चलते बाइडेन ने की कैलिफोर्निया में आपातकाल की घोषणा

वाशिंगटन (एजेंसी)। शक्तिशाली तूफान को देखते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कैलिफोर्निया में आपातकाल की घोषणा कर दी है। व्हाइट हाउस द्वारा सोमवार देर रात जारी एक बयान के अनुसार बाइडेन ने शाक्तिशाली तूफान बाढ़ और भूस्खलन से उत्पन्न आपातकालीन स्थितियों के कारण कैलिफोर्निया जनजातीय और स्थानीय प्रतिक्रिया प्रयासों के पूरक के लिए संघीय सहायता का आदेश दिया है।

संघीय आपातकालीन घोषणा होमलैंड सुरक्षा विभाग और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी को सभी आपदा राहत प्रयासों के समन्वय के लिए अधिकृत करेगी। 4 जनवरी को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने गंभीर सर्दियों के तूफानों के कारण पूरे राज्य के लिए आपातकाल की घोषणा की थी जहां लगभग 40 मिलियन निवासियों का घर है। गवर्नर के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार दिसंबर के अंत से बाढ़ समेत तूफान से 12 लोगों की मौत हो गई है जो पिछले दो सालों में जंगल की आग से मरने वाले नागरिकों की संख्या से अधिक है।

न्यूजोम ने बयान में कहा हम सर्दियों के तूफानों के बीच हैं और कैलिफोर्निया जीवन की रक्षा करने और क्षति को सीमित करने के लिए हर संसाधन का उपयोग कर रहा है। गवर्नर ने कहा हम इन तूफानों से होने वाले खतरे को गंभीरता से ले रहे हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कैलिफोर्नियावासी सतर्क रहें। कैलिफोर्निया में भारी बारिश के साथ सर्दियों का तूफान जारी है जिससे राज्य भर के कई क्षेत्रों में बाढ़ आ गई सड़कें बंद हो गईं और बिजली गुल हो गई।

कैलिफोर्निया में लगभग 100000 घरों और व्यवसायों में सोमवार तक बिजली नहीं थी। उत्तरी कैलिफोर्निया में दसियों हजार लोग सोमवार को लगातार बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण सड़कों पर समस्याएं पैदा हुईं लेकिन इस क्षेत्र को व्यापक तबाही से बचा लिया गया। पूरे क्षेत्र के कई स्कूल जिलों और बिजली आउटेज का सामना करने वाले कुछ व्यक्तिगत स्कूलों ने सोमवार के लिए कक्षाएं रद्द कर दी। यूएस नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) ने कहा कि लगभग पूरे कैलिफोर्निया में पिछले कई हफ्तों में औसत से अधिक वर्षा देखी गई है जिसमें औसत से 400-600 प्रतिशत अधिक है।

एनडब्ल्यूएस ने सोमवार दोपहर ट्वीट किया क्षेत्र में भारी बारिश के चलते दक्षिणी सांता बारबरा काउंटी और सेंट्रल वेंचुरा काउंटी में आज शाम तक खतरनाक बाढ़ आ गई। कृपया आपातकालीन अधिकारियों के आदेशों का पालन करें। सोमवार को हजारों लोगों को दक्षिणी कैलिफोर्निया के मॉन्टेसिटो को तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। जनवरी 2018 में भारी बारिश के कारण भारी भूस्खलन में 23 लोगों की मौत हो गई थी और 130 घर नष्ट हो गए थे।

पाकिस्तान में सिर्फ आटे की लूट नहीं मची है, वहां की सरकार और फौज की इज्जत भी लुट रही है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का आटा गीला हो गया है। जी हाँ, कंगाली के दौर में पहुँच चुकी पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है जिससे वहां गृह युद्ध छिड़ने के आसार भी पैदा हो गये हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान में लोग रोटी खाने तक के लिए तरस रहे हैं क्योंकि वह देश इस समय आटे की भीषण कमी की समस्या से जूझ रहा है। 10 किलो आटे की बोरी की कीमत हजारों रुपए में पहुँच गयी है जिससे गरीब लोगों के समक्ष भूखे मरने की नौबत आ गयी है। पाकिस्तानी हुक्मरान और फौज के लोग तो फिर भी अपना काम चला ले रहे हैं लेकिन जनता सड़कों पर उतर आई है। पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों से इस प्रकार की खबरें आ रही हैं कि लोग आटा लूट ले रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि आटा सप्लाई के लिए जो ट्रैक्टर जा रहा है उसके पीछे लोग लग जाते हैं। वीडियो के मुताबिक, पहले लोग पैसा देकर आटा लेना चाहते हैं लेकिन अब उनकी बात नहीं सुनी जाती तो लोग आटा लूटना ही शुरू कर देते हैं क्योंकि घर में चूल्हा खाली पड़ा है।

वहीं एक दूसरे वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि आटे की बोरी एक दूसरे से छीनने के लिए पाकिस्तानी जनता आपस में भिड़ी हुई है। वीडियो में एक व्यक्ति को तो लगता है कि जान से ज्यादा प्यारा आटा है। लोग उसे पीट रहे हैं लेकिन वह आटे की बोरी छोड़ने को तैयार ही नहीं होता। एक और तस्वीर में दिखाया जा रहा है कि आटे के लिए संघर्ष के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं पाकिस्तानी मीडिया अपनी सरकार से सवाल कर रहा है कि जब पड़ोसी मुल्कों से सस्ता आटा मंगाया जा सकता है तो पाकिस्तान की सरकार हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे हुए है। पाकिस्तानी मीडिया का ही एक धड़ा यह भी कह रहा है कि पाकिस्तान की सरकार पड़ोसी देशों से आटा मंगा तो सकती है लेकिन आटा मंगाने के लिए दरअसल उसके पास पैसे ही नहीं हैं। पाक मीडिया में यह भी कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के हुक्मरान दुनिया भर में भीख मांगते घूम रहे हैं लेकिन पड़ोसी देश से मदद मांगना उनको अपनी शान के खिलाफ लग रहा है। देखा जाये तो यही हालात रहे तो पाकिस्तान जल्द ही गृह युद्ध की ओर बढ़ता नजर आयेगा क्योंकि बात सिर्फ आटे की कमी की नहीं बल्कि बिजली की कमी की भी है। इस समय पाकिस्तान की जनता में सिर्फ अपनी सरकार ही नहीं बल्कि सेना के खिलाफ भी नाराजगी देखने को मिल रही है क्योंकि एक ओर जहां गरीब जनता भूखी मर रही है वहीं नेता और फौजी अफसर शान की जिंदगी जी रहे हैं और अपने विलासितापूर्ण जीवन का भोंडा प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि दुनियाभर के देशों से दो-दो पैसा मांगने के लिए जिनेवा डोनर्स मीटिंग में गये पाकिस्तान को कुछ राहत वहां से मिल गयी है। लेकिन यह राहत अभी आश्वासनों में ही है। पाकिस्तान ने कहा है कि देश में पिछले साल आई भयावह बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में उसकी मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने 8.5 अरब डॉलर से अधिक की सहायता का वादा किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जिनेवा में पाकिस्तान के प्रति उदारता वाला रुख दिखाने और मदद देने का आश्वासन देने वाले देशों का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''यूरोपीय संघ ने 9.3 करोड़ डॉलर का, जर्मनी ने 8.8 करोड़ डॉलर का, चीन ने 10 करोड़ डॉलर का, इस्लामिक विकास बैंक ने 4.2 अरब डॉलर का, विश्व बैंक ने 2 अरब डॉलर का, जापान ने 7.7 करोड़ डॉलर, एशियाई विकास बैंक ने 1.5 अरब डॉलर, यूएसएड ने 10 करोड़ डॉलर और फ्रांस ने 34.5 करोड़ डॉलर की सहायता का वादा किया है।''

इसके अलावा अमेरिका ने पाकिस्तान को अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर देने की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन 10 करोड़ डॉलर का इस्तेमाल बाढ़ के प्रभावों से निपटने, शासकीय कार्यों, रोग संबंधी निगरानी, आर्थिक विकास और स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु स्मार्ट कृषि, खाद्य सुरक्षा व बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए होगा। बहरहाल, यहां पाकिस्तान की जनता को एक बात ध्यान देनी चाहिए कि जिस देश का शासक सुबह उठते ही यह सोचता हो कि आज किस देश से उधार मांगना है, उस देश की सरकार आखिर कैसे अपने अवाम का भला कर पायेगी?

बाजारों में मोदी पतंग की धूम बच्चे और युवाओं की पहली पसंद मोदी की तस्वीर वाली पतंगें

सूरत। उत्तरायण के आडे गिनती के दिन शेष रह गए हैं और बाजारों में पतंग-डोर की खरीदी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बाजारों में पीएम मोदी की तस्वीर वाली पतंगों की जबर्दस्त मांग है। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं तक सबकी पहली पसंद है मोदी की तस्वीरें पतंगें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खासकर गुजरात में सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव में रिकार्ड जीत दर्ज करने के बाद पीएम मोदी की लोकप्रियता और बढ़ गई है। सूरत समेत राज्य के बाजारों में मोदी मेजिक दिख रहा है। इस साल पतंगों की कीमतों में 25 से 30 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के बावजूद पतंग की खरीदी को लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह दिख रहा है। पतंगबाजों में मोदी की विभिन्न तस्वीर वाली पतंगे आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं। विधासनभा चुनाव में 156 सीटें जीतने का ऐतिहासिक जश्न खत्म हो चुका है परंतु लोगों में मोदी को लेकर जोश जस का तस बना हुआ है। गुजरात चुनाव में ऐतिहासिक जीत में पीएम मोदी का महत्वपूर्ण योगदान है और इसी वजह से पतंगबाजों में मोदी का जबर्दस्त क्रेज बरकरार है। सूरत में पीएम मोदी की तस्वीरों वाली पतंगों का दिन-रात उत्पादन किया जा रहा है। सूरत के एक थोक विक्रेता के मुताबिक मकर संक्रांति के आडे गिनती दिन शेष रह गए हैं और बाजारों में धूम है। कागज और कपास की कीमतें बढ़ने से पतंग के दाम में भी 25 से 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसके बावजूद सूरती लाला उत्तरायण पर पतंगबाजी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। यही कारण है पतंग और डोर की कीमत बढ़ने के बावजूद धूम खरीदी कर रहे हैं। खासकर पीएम मोदी और डबल इंजन की सरकार समेत पतंगे लोगों में आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं। जिसे देख स्पष्ट है कि आगामी उत्तरायण पर्व भी मोदीमय रहेगा।

बेंगलुरु में मेट्रो का निर्माणाधीन खंभा गिरने से मां- बेटे की मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एचबीआर लेआउट के पास आउटर रिंग रोड पर 'नम्मा मेट्रो' (बेंगलुरु मेट्रो) का एक निर्माणाधीन खंभा गिरने से एक महिला और उसके ढाई साल के बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे की है, जब खंभे के निर्माण के लिए लगाए गए टीएमटी सरिये उनके स्कूटर पर गिर गए। खंभे की ऊंचाई 40 फीट से ज्यादा और वजन कई टन बताया जा रहा है। मौके पर मौजूद लोग तुरंत मां और बेटे को नजदीकी अस्पताल ले गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए घटनास्थल के आसपास जाम लग गया था।

यूपी में लोगों को लगा सकता हैं बिजली बिल का झटका

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की जनता पर जल्द ही आर्थिक बोझ बढ़ने वाला है। यूपी में घरेलू बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। बिजली कंपनियों ने राज्य की योगी सरकार को बिजली की दरों में 18-23 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव दिया है। अगर बिजली कंपनियों के प्रस्ताव को यूपी सरकार ने स्वीकार किया तब घरेलू ग्रामीण उपभोक्ताओं की जेब पर अधिक बोझ बढ़ेगा। नई रेट लागू होने के बाद घरेलू ग्रामीण उपभोक्ताओं को हर यूनिट बिजली के लिए 3.50 रुपये की जगह 4.35 रुपये का भगुतान 100 यूनिट के लिए करना होगा। अगर उपभोक्ता 300 यूनिट से अधिक की खपत करते हैं तब सात रुपये प्रति यूनिट की दर से भुगतान करना होगा। पहले ये राशि 5.50 रुपये प्रति यूनिट थी जिसे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। ग्रामीण इलाकों के अलावा शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए भी बिजली के दामों में इजाफा होगा। शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ता द्वारा 300 यूनिट से अधिक बिजली का उपयोग करने पर 6.50 रुपये की जगह उपभोक्ताओं को 8 रुपये का भुगतान करना होगा। हालांकि आयोग की ओर से अब तक बिजली के दामों में बढ़ोतरी किए जाने का प्रस्ताव मंजूर नहीं हुआ है। बिजली कंपनियों ने घरेलू बिजली के अलावा औद्योगिक बिजली के दामों में भी इजाफा करने का फैसला किया है। औद्योगिक क्षेत्र की बिजली दर में 16 प्रतिशत कमर्शियल दर में 12 प्रतिशत कृषि की दरों में 10-12 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव बिजली कंपनियों ने दिया है। मामले पर यूपी राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विरोध जताया है। बिजली कंपनियों के प्रस्ताव के बाद उन्होंने लोक महत्व की याचिका दायर की है। उन्होंने विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन और सदस्य से मुलाकात भी की है। वर्मा का कहना है कि बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 25133 करोड़ रुपये निकल रहा हैं। अगले पांच वर्षों तक भी कंपनियों को बिजली की कीमत में इजाफा नहीं करना चाहिए।

महाराष्ट्र मामले की सुनवाई 14 फरवरी को पीठ तय करेगी 5 जजों या 7 जजों की पीठ सुनवाई करे

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 14 फरवरी 2023 को एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे समूहों के बीच शिवसेना पार्टी के भीतर दरार से उत्पन्न संवैधानिक मुद्दों से संबंधित दलीलों को सूचीबद्ध किया है। इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ जस्टिस एम.आर.शाह कृष्ण मुरारी हिमा कोहली और पी.एस. नरसिम्हा की पीठ सुनेगी। महाराष्ट्र मामले में सुप्रीम कोर्ट को तय करना है कि मामला 5 जजों की संविधान पीठ ही सुनेगी या 7 जजों की संविधान पीठ को भेजा जाए। शुरुआत में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पीठ को अवगत कराया कि उन्होंने पहले संकेत दिया था कि वह नबाम रेबिया के फैसले की शुद्धता पर बहस करना चाहते हैं इस मामले को सात जजों की बेंच को भेजने की आवश्यकता है। पिछली सुनवाई में ठाकरे समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील सिब्बल ने प्रस्तुत किया था कि नबाम रेबिया बनाम डिप्टी स्पीकर मामले में संविधान पीठ द्वारा दिए गए 2016 के फैसले की शुद्धता पर विचार करने के लिए मामले को 7-न्यायाधीशों की पीठ को संदर्भित करने की आवश्यकता है। सीजेआई ने कहा था कि यह 5 न्यायाधीशों की पीठ को तय करना है कि मामले को 7-न्यायाधीशों की पीठ को भेजा जाए या नहीं।

शादी का वादा करके सहमति से बनाए गए संबंध दुष्कर्म नहीं : हाईकोर्ट

- कोर्ट ने निचली अदालत के आरोपी को सशर्त जमानत देने का भी आदेश दिया

भुवनेश्वर। उड़ीसा हाईकोर्ट ने बलात्कार के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया। दरअसल एक दुष्कर्म केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि शादी का वादा करके सहमति से बनाए गए संबंध को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। वयस्क महिला के साथ संबंध बनाना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई महिला सहमति के आधार पर यौन संबंध बनाती है तो आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म संबंधी आपराधिक कानून का इस्तेमाल नहीं हो सकता। जस्टिस संजीब पाणिग्रही की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह फैसला सुनाया। उनके मुताबिक शादी के झूठे वादे को दुष्कर्म मानना ??गलत प्रतीत होता है क्योंकि आईपीसी की धारा 375 के तहत संहिताबद्ध दुष्कर्म की सामग्री इसे कवर नहीं करती। पुलिस रिकॉर्ड से पता चलता है कि पुरुष और महिला एक-दूसरे को जानते थे और मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि कोई जबरन यौन संबंध नहीं बनाया गया था। कोर्ट ने निचली अदालत के आरोपी को सशर्त जमानत देने का भी आदेश दिया। शर्त के तहत अभियुक्त जांच प्रक्रिया में सहयोग करेगा और पीड़िता को धमकी नहीं देगा। दरअसल एक शख्स ने शादी का झांसा देकर पहले युवती से शारीरिक संबंध बनाए और फिर आरोपी कुछ दिन बाद फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय हिरासत में भेज दिया गया इसके बाद निचली अदालत की ओर से उसकी जमानत याचिका खारिज किए जाने पर आरोपी ने हाईकोर्ट का रुख किया जहां कोर्ट ने कहा कि धारा 375 के तहत सहमति से बनाए संबंध बलात्कार नहीं होता।

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि अब बीजेपी के खिलाफ सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ी जाएगी

लखनऊ। (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक लड़ाई लड़ी जाएगी और डिंपल यादव के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह ने सैफई में पत्रकारों से कहा कि सांसद डिंपल यादव के खिलाफ भाजपा नेताओं द्वारा लगातार की जा रही छींटाकशी को वह निन्यानबे बार तक तो माफ करेंगे, उसके बाद बर्दाश्त नहीं करेंगे और अब स्थिति बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल सपा के बीच सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियों को लेकर एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराए जाने के बीच शिवपाल ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''भाजपा को घेरने का काम करेंगे और बहू डिंपल के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं होगा इसलिए अब लड़ाई सडकों से लेकर संसद तक लड़ी जायेगी।'' शिवपाल ने दावा किया, ''2024 के आम चुनाव के बाद भाजपा का सफाया हो जाएगा। सरकार की गलत नीतियों के कारण देश मे मंहगाई, बेरोजगारी बढ़ी है, किसान परेशान हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला है।''

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने भाजपा युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत के खिलाफ हजरतगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने रविवार को कहा था, ''पटेल ने ऋचा राजपूत के खिलाफ हजरतगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राजपूत ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके परिवार (अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव) के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की हैं।''

सपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से साझा की गई प्राथमिकी की प्रति के मुताबिक भाजपा नेता राजपूत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 294 (अश्लीलता) और 509 (स्त्री लज्जा का अनादर) तथा सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 67 (अश्लील सामग्री को इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रकाशित या पारेषित करना) तथा 67(क) (लैंगिक प्रदर्शन का कार्य या आचरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इसके पहले, सपा के मीडिया प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मनीष जगन अग्रवाल को सोशल मीडिया पर महिलाओं के प्रति कथित अभद्र टिप्पणी करने के आरोपों में रविवार सुबह लखनऊ के हजरतगंज इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया, जिन्हें सोमवार शाम को जमानत मिलने के बाद जिला जेल लखनऊ से रिहा कर दिया गया। अग्रवाल के खिलाफ यौन

उत्पीड़न समेत विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराने वालीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ऋचा राजपूत के खिलाफ भी सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की शिकायत पर रविवार को मुकदमा दर्ज किया गया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की उत्तर प्रदेश इकाई की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर चार जनवरी को हजरतगंज थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 504 (जानबूझकर अपमान) और 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पिछले साल नवंबर से सपा के ट्विटर हैंडल का प्रबंधन करने वाले लोगों के खि़लाफ़ चार प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है।

'आरएसएस पर भी भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव', दिग्विजय सिंह बोले- क्या हमें कभी उम्मीद थी कि मोहन भागवत मस्जिद जाएंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। फिलहाल यह यात्रा पंजाब में है। इन सबके बीच भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी पड़ा है। अपने बयान में दिग्विजय ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव न केवल हमारे सहयोगियों पर बल्कि आरएसएस पर भी है। क्या हमें कभी उम्मीद थी कि मोहन भागवत मस्जिद जाएंगे? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) भी ऐसा करने लगे हैं, वे 'हिंदू राष्ट्र' की बात करते हैं लेकिन संविधान में इसका उल्लेख नहीं है।

इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने कहा कि यानी उन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, फिर वे चुनाव क्यों लड़ते हैं, शपथ क्यों लेते हैं? ये दोमुंहे बयान अच्छे नहीं लगते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि स्पष्ट करें कि क्या वे भारत के संविधान पर भरोसा करते हैं और नहीं तो आगे आएं। आपको बता दें कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग पर स्थित मंदिर में पहुंचे थे। यहां उन्होंने ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद इल्यासी से मुलाकात की थी। इसके अलावा उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी और दिल्ली के पूर्व उप राज्यपाल नजीब जंग सहित कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी मुलाकात की थी। इसी को लेकर दिग्विजय सिंह ने यह बयान दिया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से एक दिन पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर पहुंचे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा का 116वां दिन हरियाणा के अम्बाला में पूरा हुआ। बुधवार को सुबह पंजाब में यह यात्रा आरंभ होगी। अमृतसर में पवित्र स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद यात्रा आरंभ करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यात्रा गत बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश से पानीपत के रास्ते हरियाणा में दाखिल हुई थी। यह पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र से होकर अंबाला तक पहुंची। गत 21 से 23 दिसंबर के बीच भी यह यात्रा हरियाणा के मेवात, फ़रीदाबाद और कुछ अन्य इलाकों से गुजरी थी।

भारत में कोरोना एक्सबीबी 1.5 वेरिएंट का एक और केस मिला अब तक कुल 8 मामले आ चुके सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना वायरस के एक्सबीबी 1.5 वेरिएंट का एक नया मामला सामने आया है। इससे देश में इस वेरिएंट से जुड़े मामलों की कुल संख्या बढ़कर आठ हो गई है। कोरोना के एक्सबीबी 1.5 वेरिएंट की वजह से अमेरिका में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। भारतीय सार्स कोव-2 जिनोमिकी संगठन (इंसाकोग) ने कहा कि नया केस उत्तराखंड में मिला है जबकि इससे पहले इस वेरिएंट से जुड़े तीन मामले गुजरात में और एक-एक मामला कनार्टक तेलंगाना छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिला।

एक्सबीबी 1.5 वेरिएंट ओमिक्रॉन से जुड़ा है। अमेरिका में संक्रमण के 44 फीसदी ममलों के लिए यही वेरिएंट जिम्मेदार है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि बीएफ.7 स्वरूप के 9 केस पाए गए हैं जो स्पष्ट रूप से चीन में कोविड-19 की लहर के लिए जिम्मेदार है। पश्चिम बंगाल में ओमीक्रोन उपस्वरूप बीएफ.7 के चार मामले गुजरात और हरियाणा में दो-दो तथा ओडिशा में एक मामला दर्ज किया गया है।

दूसरी ओर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा है कि उनके कोवोवैक्स टीके को अगले 10 से 15 दिनों में 'बूस्टर' खुराक के तौर पर मंजूरी मिल जाएगी। पूनावाला ने रविवार को कहा कि यह वैक्सीन ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ काफी असरदार है।

राज्यों और जिलों को कोविशील्ड टीके नहीं मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पास आपूर्ति के लिए टीके का पर्याप्त भंडार है। उन्होंने कहा कोवोवैक्स असल में सबसे अच्छा बूस्टर है क्योंकि यह कोविशील्ड की तुलना में ओमिक्रॉन पर ज्यादा असरदार है।

केरल में थरुर की लोकप्रियता नेताओं को नहीं हो रही हजम

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की लोकप्रियता केरल में सभी वर्गों के लोगों में है। वह सामाजिक समूहों में भी सबसे अधिक मांग वाले नेता हैं लेकिन राज्य कांग्रेस के दूसरे शीर्ष नेताओं को उनकी लोकप्रियता हजाम नहीं रही है। वहीं अब कांग्रेस को बचाने थरूर को बुलाने की मांग बढ़ रही है। जब से वह मलिकार्जुन खड़गे से हारकर दिल्ली से लौटे तब कई विरोधियों को उम्मीद थी कि थरूर जल्दबाजी में पीछे हट जाएंगे लेकिन वे गलत थे। क्योंकि केरल में उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। जब थरूर राज्य भर के धार्मिक और सामाजिक नेताओं को बुलाने आए तब उनका जोरदार स्वागत हुआ।

थरूर की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लग सकता है कि उन्हें एशिया के सबसे बड़े ईसाई सम्मेलन में बोलना है जो अगले महीने पठानमथिट्टा जिले के मारामोन में आयोजित किया जाएगा जो प्रभावशाली सीरियाई मार थोमा चर्च द्वारा आयोजित किया जाता है।

एक समीक्षक ने कहा कि यहां के लोगों द्वारा अब जिस तरह से राजनीति को देखा जा रहा है उसमें बदलाव आया है। इसकारण थरूर की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसलिए थरुर जहां भी जाते हैं वहां भारी भीड़ दिखती हैं जबकि पारंपरिक कांग्रेसी नेता ओमन चांडी को छोड़कर कोई भी लोगों को आकर्षित करने में सक्षम नहीं है।

थरूर की लोकप्रियता को देख विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन उनके पूर्ववर्ती रमेश चेन्नीथला प्रदेश अध्यक्ष के. सुधाकरन जैसे कांग्रेस नेताओं को इस बात का डर सताने लगा है कि इससे उनका नुकसान होगा और अगर वे अपने कार्ड अच्छी तरह से नहीं खेलते हैं तब चीजें बिगड़ सकती हैं।

मतदान और चुनाव लड़ने की उम्र के बीच का फासला कम करना ठीक नहीं : चुनाव आयोग

-संसदीय पैनल को बताया आयोग ने विकसित किया ईवीएम का विश्वसनीय और संशोधित संस्करण

नई दिल्ली (एजेंसी) चुनाव आयोग ने मतदान की आयु और चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु के बीच समानता लाने पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने संसदीय पैनल को यह भी बताया कि उसने 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का एक विश्वसनीय और संशोधित संस्करण' विकसित किया है। चुनाव आयोग जनवरी में विज्ञान भवन में सभी पार्टियों के सामने इसका प्रेजेंटेशन देगा।

कार्मिक लोक शिकायत कानून और न्याय संबंधी स्थायी समिति के समक्ष सोमवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि चुनाव आयोग लोकसभा विधान सभाओं राज्यसभा में चुनाव

लड़ने की योग्यता के रूप में न्यूनतम आयु सीमा को कम करने के पक्ष में नहीं है। सूत्रों ने बताया कि संसदीय पैनल ने चुनाव आयोग से न्यूनतम आयु सीमा को कम करने के बारे में पूछा था।

सूत्रों के अनुसार संसदीय पैनल ने चुनाव आयोग से पूछा था कि क्या लोकसभा और विधानसभाओं के लिए चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष की जा सकती है जबकि उच्च सदन निकायों के लिए इसे 30 से घटाकर 25 किया जा सकता है। यह सुझाव 1998 में भी पोल पैनल को भेजे गए कुछ सुधार प्रस्तावों का हिस्सा था। हालांकि चुनाव आयोग ने संसदीय पैनल के सामने कहा कि वह मतदान की आयु और चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु के बीच समानता लाने पर सहमत नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि संविधान सभा के समक्ष इस तरह के सुझाव आए थे। लेकिन बी। आर। अंबेडकर ने इस तरह के कदम का विरोध करने के लिए एक नया अनुच्छेद जो वर्तमान में संविधान का अनुच्छेद 84 है को शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था। उन्होंने सुझाव दिया था कि जिन लोगों के पास कुछ उच्च योग्यताएं हैं और दुनिया के मामलों में एक निश्चित मात्रा में ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव है उन्हें विधानमंडल की सेवा करनी चाहिए।

अनिल अंबानी के खिलाफ इनकम टैक्स के ऐक्शन पर हाईकोर्ट ने पूछा सवाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिलायंस एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ टैक्स चोरी के एक मामले में इनकम टैक्स के नोटिस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सवाल उठाया है। कोर्ट ने अनिल अंबानी के खिलाफ टैक्स चोरी के एक मामले में इनकम टैक्स की ओर से भेजे गए नोटिस पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि ब्लैकमनी के कुछ प्रावधान पिछली तारीख से लागू किए गए है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि ये कैसे संभव है कि कोई व्यक्ति यह जान ले कि सरकार भविष्य में क्या करने वाली है। ज्ञात हो कि अनिल अंबानी ने इस नोटिस के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने कहा कि इनकम टैक्स विभाग ने अनिल अंबानी पर टैक्स चोरी मामले में नोटिस भेजा था। इस नोटिस में आयकर विभाग ने उनपर आरोप लगाए कि उन्होंने 420 करोड़ रुपए की कथित टैक्स चोरी की है। इनकम टैक्स ने कहा कि अनिल अंबानी ने दो स्विस खातों में जमा 814 करोड़ रुपए पर टैक्स बचाए हैं। इनकम टैक्स विभाग ने इस नोटिस में अनिल अंबानी पर काला धन कर आरोपण अधिनियम 2015 की धाराओं मामला दर्ज कर नोटिस भेजा। इस नोटिस का मामला जब कोर्ट पहुंचा तो अब उसपर सवाल उठे हैं।

कर्नाटक चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस, महिला वोट को साधने के लिए मैदान में उतरेंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी) कर्नाटक में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कर्नाटक में कांग्रेस की नजर महिला वोट पर है। यही कारण है कि प्रियंका गांधी 16 जनवरी को कर्नाटक दौरे पर जा रही हैं। प्रियंका गांधी के इस दौरे को कर्नाटक चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने तैयारी भी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक प्रियंका गांधी अपने इस दौरे के दौरान कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में महिलाओं को साधने की कोशिश करेंगी। इसके लिए कांग्रेस की ओर से विशेष मेनिफेस्टो सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना बनी है।

प्रियंका गांधी के इस दौरे से पहले कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने एक ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भी लॉन्च कर दिया है। उन्होंने इसके बाद महिलाओं से एक अनुरोध भी किया है। उन्होंने कहा है कि महिला मेनिफेस्टो के लिए अपनी मांगों को बताएं। उनकी मांगों को हम मूल्यांकन के बाद घोषणा पत्र में शामिल करेंगे। डीके शिवकुमार ने इसको लेकर एक ट्वीट भी किया है। अपने ट्वीट में कांग्रेस नेता ने लिखा कि महिला सशक्तिकरण से ही देश का उत्थान होगा। ऐसा मानते हुए कांग्रेस आगामी चुनाव के घोषणा पत्र में महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अपील की कि आपके सुझाव: Congresswomenmanifesto@gmail.com पर या इस व्हॉट्सएप नंबर 7996551999 पर भेजें।

डीके शिवकुमार ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस कर्नाटक विधानसभा चुनाव में महिलाओं के लिए अलग घोषणापत्र तैयार करने की योजना बना रही है और महिलाओं के लिए 'गारंटी पत्र' जारी करना चाहती है। शिवकुमार रामनगर और मांड्या से ताल्लुक रखने वाले जनता दल (एस) के नेताओं विश्वनाथ और राधाकृष्ण के कांग्रेस में शामिल होने के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा हैं। कांग्रेस ने फैसला किया है कि महिलाओं के लिए अलग घोषणापत्र तैयार किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि 16 जनवरी को बेंगलुरू के पैलेस ग्राउंड में महिलाओं का सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें प्रियंका समेत कांग्रेस के कई राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे। कर्नाटक में इसी साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसबुक पर वीडियो कॉल से शुरू हुआ पूरा खेल
युवक हनी ट्रैप का शिकार,16 लाख रूपये,चार महिलाओं समेत 6 पकड़े,

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में एक युवक हनी ट्रैप का शिकार हो गया है. फेसबुक पर युवती की फर्जी आईडी बनाकर युवक को वीडियो कॉल पर हनीट्रैप का शिकार बनाया गया। जिसमें फर्जी पुलिस व फर्जी पत्रकार बनकर आए युवक के पास से 16.5 लाख रूप जब्त किए गए। घटना की सूचना वराछा पुलिस को मिलने के बाद वराछा पुलिस ने हनीट्रैप के जरिए लोगों से रंगदारी वसूलने वाले पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने चार महिलाओं और दो पुरुषों को बरामद कर कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से छह लाख रूपये जब्त कर आगे की कार्रवाई की है.

सूरत में युवक हुआ हनीट्रैप का शिकार सूरत के वराछा इलाके में एक युवक हनीट्रैप का शिकार हुआ । युवक फेसबुक के जरिए एक युवती के संपर्क में आया था। वे उससे वीडियो कॉल पर बात करते थे। लड़की बनकर वीडियो कॉल पर असली हरकत की गई। वीडियो कॉल कर युवती को घर में अकेले मिलने के लिए बुलाया था। जहां उसकी पिटाई की गई। उसके वीडियो कॉल की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की बात कहकर युवक को हनीट्रैप से बदनाम करने की आशंका जताते हुए रूपये की **मांग की गयी. हनीट्रैप का शिकार हुई युवती से 16 लाख रूपये से अधिक की रंगदारी की गयी.**

हनीट्रैप से रंगदारी वसूलने वाला गिरोह पकड़ा गया है पुलिस ने कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जब पता चला कि युवक हनीट्रैप का शिकार हो गया है तो पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया. जिसमें पुलिस ने अपनी फेसबुक आईडी से बात करने वाली महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उत्पल पटेल, अरविंद मुंजपारा, संगीताबेन मुंजपारा, भावनाबेन राठौड़ और अलकाबेन गोंदलिया मिले, पुलिस ने दो पुरुषों और चार महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 5.70 लाख नकद सहित 6 लाख से अधिक का कीमती सामान जब्त किया और कानूनी कार्रवाई की।

फेसबुक पर फर्जी युवती का झांसा देकर हनी ट्रैप में फंसा वराछा में हनी ट्रैप कांड में एक युवक को फेसबुक के जरिए हनी ट्रैप का शिकार बनाया गया. युवक फेसबुक के जरिए एक युवती के संपर्क में आया था। और उससे चैटिंग और वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। हालांकि, जो शख्स असल में फेसबुक के जरिए महिला की आईडी से बात कर रहा था, वो असल में महिला नहीं बल्कि एक पुरुष था। गिरोह की एक महिला ने युवक को वीडियो कॉल पर अपने घर मिलने के लिए बुलाया था। वराछा क्षेत्र के हरिधाम समाज के मकान नंबर 144 में युवक से मिलने बुलाया। युवक के महिला के घर पहुंचने के कुछ ही देर में गिरोह के अन्य सदस्य घर पहुंच गए। साथ ही झूठे मामले में फंसाने की धमकी देते हुए कहा कि मारपीट की है और मेरी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया है।

यह गिरोह युवकों से कह रहा था कि उन्होंने पुलिस को डुप्लीकेट बनाकर पत्रकार बनकर घर में युवक से रंगदारी वसूलने के बाद वीडियो कॉल पर जो कहा उसकी वीडियो भी रिकार्ड कर ली थी . फिर घर आकर मेरी पत्नी को जबरन फंसा लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया तो थाने में मामला दर्ज कराने की धमकी दी। जिससे युवक बदनामी होने से डर रहा था। जिसका फायदा इस गिरोह ने उठाया। पुलिस को सूचना नहीं देने पर गिरोह ने शुरू में युवक से 7.50 लाख रूपये की रंगदारी की।

फर्जी पुलिस का झांसा देकर और रूपये ऐंठने के बाद युवक सोच रहा था कि उसने इस सारी परेशानी से छुटकारा पा लिया। लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। कुछ देर बाद एक व्यक्तिफर्जी पुलिसकर्मी बनकर युवक के पास आया। और उसने खुद बताया कि उसे पूरी घटना की जानकारी हो गई है। इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी गई तो नौ लाख रूपए पुलिस में बदल गए फर्जी दारोगा से हड़प लिए गए। इस तरह बदनामी के डर से महिला और उसके फर्जी पति को 7.50 लाख और फर्जी पुलिस को 9 लाख मिले, युवक के पास से कुल 16.5 लाख रूपये जब्त कर लिए गए.

जेवर बेचकर युवक ने चुकाए रूपए हनीट्रैप में फंसे युवक ने गिरोह को 16.5 लाख रूपए दिए। लेकिन यह 16.5 लाख रूपए वसूलते वक्त उनकी सांस फूल गई। युवक ने अलग-अलग लोगों से रंगदारी, बचत तोड़कर घर में रखे जेवर बेचकर गिरोह को रूपये दिए। हालांकि गिरोह ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। फर्जी पुलिस व एक अन्य युवक ने फर्जी पत्रकार बनकर उससे पैसे मांगे तो उसे पता चला कि यह पूरा मामला फर्जी गिरोह का है। उन्होंने वराछा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने युवक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। अब बाकी के आधार पर वराछा पुलिस ने इस पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर लिया है.

सूरत में प्रेमजाल में फंसे दो दोस्तों ने नाबालिग से अलग-अलग दिनों में बार-बार रेप किया और उसे गर्भवती कर दिया.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी इलाके में एक ऐसी घटना सामने आई है कि दो दोस्तों ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती कर दिया. पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है।

14 साल की सगीरा को प्यार में फंसाने वाले सचिन ने उधना के रहने वाले अमित सूर्यवंशी और कंसद रोड के रहने वाले विकास महंतो के खिलाफ जीआईडीसी थाने में छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के अनुसार 14 वर्षीय नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाया गया। इसके बाद दोनों नराधमों ने अलग-अलग दिनों में नाबालिग के साथ बार-बार दुष्कर्म किया।

एक माह नाबालिग से किया दुष्कर्म गत अगस्त से सितंबर तक दोनों नराधमों ने नाबालिग से दुष्कर्म किया। जिससे सगीरा गर्भवती हो गई। परिजनों को जब इस बात का पता चला तो परिजनों ने अमित और विकास के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायी और आगे की कार्रवाई की.

वलसाड की बहुमंजिली इमारत में फायर एनओसी नहीं, नगर निगम की कार्रवाई में 3 बैंक सील

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

3 बैंकों में गोलाबारी की कार्रवाई के बाद वलसाड नगर पालिका में खासा असमंजस की स्थिति बनी हुई है. जिससे बैंक से जुड़े लोगों समेत कुछ लोगों ने भ्रम फैलाया है। नामदार हाईकोर्ट से गुजरात सरकार को मिले निर्देश के मुताबिक फायर एनओसी नहीं लेने वाली संपत्तियों को कब्जे में लेने का काम जोर शोर से चल रहा है. नतीजा यह हुआ कि वलसाड शहर के टिथल रोड स्थित महालक्ष्मी टॉवर स्थित फेडरल बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अग्नि सुरक्षा की एनओसी नहीं थी। नगर पालिका ने कल इन तीनों बैंकों को थप्पड़ मार दिया। इसके अलावा शहर की अन्य संपत्तियों की भी नगर पालिका द्वारा जांच की जा रही है। जिसमें अस्पताल, स्कूल, अन्य बैंकों व नवनिर्मित भवनों का भी सर्वे किया जाएगा। वलसाड नगर पालिका की इस कार्रवाई से अग्नि सुरक्षा की एनओसी नहीं लेने वाले संपत्ति स्वामियों में खलबली मच गई है. वहीं नगर पालिका ने आने वाले दिनों में उन संपत्तियों को भी तोड़ने का काम करने को कहा है.

बाजारों में मोदी पतंग की धूम बच्चे और युवाओं की पहली पसंद मोदी की तस्वीर वाली पतंगें

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,उत्तरायण के आडे गिनती के दिन शेष रह गए हैं और बाजारों में पतंग-डोर की खरीदी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बाजारों में पीएम मोदी की तस्वीर वाली पतंगों की जबर्दस्त मांग है। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं तक सबकी पहली पसंद है मोदी की तस्वीरें पतंगें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खासकर गुजरात में सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव में रिकार्ड जीत दर्ज करने के बाद पीएम मोदी की लोकप्रियता और बढ़ गई है। सूरत समेत राज्य के बाजारों में मोदी मैजिक दिख रहा है। इस साल पतंगों की कीमतों में 25 से 30 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के बावजूद पतंग की खरीदी को लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह दिख रहा है। पतंगबाजों में मोदी की विभिन्न तस्वीर वाली पतंगे आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं। विधानसभा चुनाव में 156 सीटें जीतने का ऐतिहासिक जश्न खत्म हो चुका है परंतु लोगों में मोदी को लेकर जोश जस का तस बना हुआ है। गुजरात चुनाव में ऐतिहासिक जीत में पीएम मोदी का महत्वपूर्ण योगदान है और इसी वजह से पतंगबाजों में मोदी का जबर्दस्त क्रेज बरकरार है। सूरत में पीएम मोदी की तस्वीरों वाली पतंगों का दिन-रात उत्पादन किया जा रहा है। सूरत के एक थोक विक्रेता के मुताबिक मकर संक्रांति के आडे गिनती दिन शेष रह गए हैं और बाजारों में धूम है। कागज और कपास की कीमतें बढ़ने से पतंग के दाम में भी 25 से 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसके बावजूद सूरती लाला उत्तरायण पर पतंगबाजी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। यही कारण है पतंग और डोर की कीमत बढ़ने के बावजूद धूम खरीदी कर रहे हैं। खासकर पीएम मोदी और डबल इंजन की सरकार समेत पतंगे लोगों में आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं। जिसे देख स्पष्ट है कि आगामी उत्तरायण पर्व भी मोदीमय रहेगा।

मॉस्को-गोवा फ्लाइट में बम की सूचना के बाद विमान की जामनगर में इमरजेंसी लैंडिंग जांच में जुटी एनएसजी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जामनगर,बम की सूचना के बाद मॉस्को से गोवा जा रही एक फ्लाइट की गुजरात के जामनगर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। सभी २३६ यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया है। विमान को आइसोलेट करके एक अलग पट्टी पर खड़ा किया गया है। एटीएस ने लैंडिंग के दौरान मोर्चा संभाल लिया और दिल्ली से एनएसजी की टीम रवाना हो गई है। मास्को-गोवा फ्लाइट की पिछले 10 घंटे से लगातार जांच चल रही है। अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियों की हरी झंडी के बाद ही फ्लाइट को गोवा के लिए रवाना किया जाएगा। सभी यात्री और क्रू मेंबर एयरपोर्ट पर ही मौजूद हैं। फ्लाइट में बम की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। अलर्ट जारी करके फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग की तैयारी की गई। यात्रियों को पैनिक न होने को कहा गया और उन्हें एयरपोर्ट के लॉन्ज में ले जाया गया। पुलिस महानिरीक्षक (राजकोट और जामनगर रेंज) अशोक कुमार यादव ने कहा कि अज़ूर एयर की फ्लाइट जेडएफ 2401 में बम की सूचना मिली थी। फ्लाइट को गुजरात के जामनगर हवाईअड्डे पर उतरने के बाद टैक्सीवे पर पार्क करने का निर्देश दिया गया था। सभी 236 यात्रियों और फ्लाइट के पायलट क्रेबिन क्रू समेत सभी चालक दल के सदस्यों को विमान से सुरक्षित निकाला गया। फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग की गई। एटीएस और एनएसजी की टीमों ने बम निरोधक दस्ते के साथ-साथ स्थानीय अधिकारियों ने जांच शुरू की। नई दिल्ली में रूसी दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि मॉस्को से गोवा जाने वाली यह फ्लाइट अज़ूर एयर की थी। विमान में बम होने की खबर के बारे में भारतीय अधिकारियों ने दूतावास को सतर्क किया था।

पार नदी में डूबने से दो विद्यार्थियों की मौत 4 को बचा लिया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वलसाड,वलसाड के निकट पार नदी में नहाने गए 6 विद्यार्थी पानी में डूबने लगे। जिसमें 4 विद्यार्थियों को बचा लिया गया जबकि 2 छात्रों की नदी में डूबकर मौत हो गई। मृतक छात्रों के परिवार में शोक व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक वलसाड के निकट पार नदी में कॉलेज के 6 विद्यार्थी नहाने गए थे। उस दौरान नदी के गहरे पानी में सभी विद्यार्थी डूबने लगे। विद्यार्थियों को डूबता देख आसपास के लोगों की नदी पर भीड़ जमा हो गई। वलसाड जिले के चंद्रपुर गांव के तैराकों ने 4 विद्यार्थियों को किसी प्रकार बचा लिया। लेकिन दो विद्यार्थियों को बचा नहीं पाए।

खबर मिलते ही वलसाड ग्रामीण पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। मृतक छात्रों के शवों को नदी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी है कि सभी विद्यार्थी गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज के थे। दो विद्यार्थियों की मौत से उनके परिवार में मातम पसर गया है।

मुंबई की महिला के साथ अहमदाबाद में गैंग रेप दो आरोपी गिरफ्तार एक की तलाश तेज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई की एक महिला के साथ अहमदाबाद में सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी भी मुंबई निवासी और पीड़िता के परिचित थे। सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और तीसरे की तलाश तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला मुंबई के विले पार्ले में पति और बच्चों के साथ रहती है। महिला पहले जुहू में दो ब्यूटी पार्लर चलाती थी परंतु कोरोना महामारी के दौरान नुकसान के बाद उसने दोनों पार्लर बंद कर दिए। मुंबई के कांदीवली क्षेत्र में रहनेवाला लालासाहेब सुखनाथ यादव महिला का मित्र था और यह मित्रता 25 साल पुरानी थी। जिससे लाला यादव अक्सर विले पार्ले स्थित महिला के घर आता जाता रहता था। लाला यादव को जुआ खेलने की आदत थी। जिससे लाला यादव अपने दो दोस्त और महिला के साथ अहमदाबाद आया था। महिला समेत चारों लोग एक फ्लैट में ठहरे थे। जहां देर रात जुआ खेलते रहे और जमकर शराब भी पी। शराब के नशे में लाला समेत तीनों आरोपियों ने महिला के साथ गैंग रेप किया। इतना ही नहीं तीनों आरोपी रातभर महिलाएं के साथ हैवानियत करते रहे और दूसरे मुंबई रवाना हो गए। मुंबई पहुंचने के बाद पीड़ित महिला ने पति को अपनी आपबीती सुना दी। जिसके बाद महिला अपने पतिके साथ विले पार्ले पुलिस थाने पहुंची और लालासाहेब सुखनाथ यादव शशांक संजय सावंत समेत तीन लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ दफा 376 376(डी) (ई) 354 506 और 34 के तहत केस दर्ज किया और लाला यादव और शशांक सावंत को गिरफ्तार कर लिया।

जबकि तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज कर दी। पकड़े गए दो आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

अब कोई भी व्हाट्सऐप के जरिए गुजरात के सीएमओ से सीधे शिकायत कर सकता है, इस नंबर 7030930344 की घोषणा की गई